सूर्योदय दि. 29-10-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37
अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

डायरेक्टर की गालियों से कास्टिंग...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 209 | नई दिल्ली, शुक्रवार 29 अक्टूबर -2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

18वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 2021 में बोले पीएम मोदी

2022 को भारत-आसियान मैत्री वर्ष के रूप में मनाने का किया फैसला

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत एवं आसियान के बीच साझीदारी के 30 वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष 2022 को भारत आसियान मित्रता वर्ष के रूप में मनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत आसियान शिखर सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए यह घोषणा की। कोविड महामारी के कारण लगातार दूसरे वर्ष भी भारत आसियान शिखर सम्मेलन वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता आसियान के अध्यक्ष ब्रूनेई के सुल्तान हसनल बोल्किया ने की।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कोविड महामारी के बावजूद हम आसियान भारत शिखर सम्मेलन को वर्चुअल रूप में ही सही, इस परंपरा को बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। यह सही है कि महामारी के कारण हम सभी को अनेक चुनौतियों से जूझना पड़ा। लेकिन यह चुनौतीपूर्ण समय भारत-आसियान मित्रता की कसौटी भी रहा। कोविड के काल में हमारा आपसी सहयोग, आपसी संवेदना, भविष्य में हमारे संबंधों को बल देते रहेंगे, हमारे लोगों के बीच सद्भावना का आधार रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि भारत और आसियान के बीच हजारों साल से जीवंत संबंध रहे हैं। इनकी झलक हमारे साझा मूल्य, परम्पराएँ, भाषाएँ, ग्रन्थ, वास्तुकला, संस्कृति, खान-पान, हर जगह पर दिखते हैं।

> मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कोविड महामारी के बावजूद हम आसियान भारत शिखर सम्मेलन को वर्चुअल रूप में ही सही, इस परंपरा को बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। यह सही है कि महामारी के कारण हम सभी को अनेक चुनौतियों से जूझना पड़ा। लेकिन यह चुनौतीपूर्ण समय भारत-आसियान मित्रता की कसौटी भी रहा। कोविड के काल में हमारा आपसी सहयोग, आपसी संवेदना, भविष्य में हमारे संबंधों को बल देते रहेंगे, हमारे लोगों के बीच सद्भावना का आधार रहेंगे।

और इसलिए, आसियान की एकता और केन्द्रीयता भारत के लिए सदैव एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता रही है। आसियान की यह विशेष भूमिका, भारत की एक्ट ईस्ट नीति जो हमारी क्षेत्र में सभी की सुरक्षा एवं प्रगति यानी सागर नीति - में निहित है। भारत के हिन्द प्रशांत महासागरीय पहल और आसियान के हिन्द प्रशांत के प्रति दृष्टिकोण, इस क्षेत्र में हमारे साझा विज़न और आपसी सहयोग का ढांचा हैं। श्री मोदी ने कहा, वर्ष 2022 में हमारी साझीदारी के 30 वर्ष पूरे होंगे। भारत भी अपनी आज़ादी के पचहत्तर वर्ष पूरे करेगा।

मुझे बहुत हर्ष है कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव को हम आसियान-भारत मित्रता वर्ष के रूप में मनाएंगे। भारत आगामी अध्यक्ष कंबोडिया और हमारे कंट्री समन्वयक सिंगापुर के साथ मिलकर आपसी संबंधों को और गहन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केजरीवाल सरकार ने लांच किया वेबसाइट

अब एक ही जगह मिल जाएगी प्रदूषण से संबंधित सभी जानकारी

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को दिल्ली में वायु प्रदूषण से संबंधित सभी तरह की जानकारी अब एक ही जगह पर मिल सकेगी। इसके लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज दिल्ली सचिवालय में www.delhi-fightspollution.in वेबसाइट को लांच किया।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि लोग इस वेबसाइट पर जाकर प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से चलाए जा रहे सभी अभियानों की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी और ट्री ट्रांसप्लांटेशन पॉलिसी, डीटीसी बसों के रूट समेत अन्य कई सारी जानकारियां भी इस वेबसाइट पर जाकर ले सकेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि सभी युवा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ छेड़े गए 'युद्ध' में सहयोग देने के लिए आगे आएं और सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए हिस्सेदार बनें।

> *ईवी और ट्री ट्रांसप्लांटेशन पॉलिसी, डीटीसी बसों के रूट समेत अन्य कई जानकारियां भी वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी : गोपाल राय*

> *युवाओं से अपील, सीएम अरविंद केजरीवाल की ओर से दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ छेड़े गए 'युद्ध' में सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए हिस्सेदार बनें : गोपाल राय*

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने आज दिल्ली सचिवालय में delhifightspollution.in वेबसाइट को लांच किया। इस संबंध में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि हमने चैटबाट अलावा हमने आज एक वेबसाइट दिल्ली फाइट्स पॉल्यूशन डॉट इन (www.delhifight-spollution.in) भी लांच किया है। दिल्ली के अंदर सभी तरह के प्रदूषण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी लोगों को एक जगह से मिल सके, यह इस वेबसाइट का मकसद है।

अभी लोग अलग-अलग जगहों से टुकड़ों में इसकी जानकारी लेते हैं कि दिल्ली में क्या हो रहा है। हम दिल्ली फाइट्स पॉल्यूशन डॉट इन वेबसाइट के माध्यम से लोगों को सारी सूचनाएं देना चाहते हैं। जैसे- कोई भी व्यक्ति वेबसाइट पर देख सकता है कि क्या-क्या करने से धूल का प्रदूषण रूक सकता है। हमारे सभी कैंपेन इस वेबसाइट पर होंगी। हम अलग-अलग कैंपेन के लिए बनाए गए बैनर्स को भी वेबसाइट पर डालेंगे, जिसे लोग उठाकर विभिन्न सोशल प्लेटफार्म पर फैला सकते हैं, ताकि लोग जागरूक हो सकें। एक्यूआई का दिल्ली में क्या स्तर है यानि कि प्रदूषण का आज का क्या स्तर है, वो भी यहां उपलब्ध होगा। हम आने वाले दिनों में पीएम-10 और पीएम-2.5 को भी इस वेबसाइट पर लाइव कर देंगे, जिसे दिल्ली का कोई भी व्यक्ति देख सकता है। हमारे दिल्ली के अंदर एक्यूआई के अलग-अलग केंद्र हैं।

शेयर बाजार ढेर, सेंसेक्स 1159 और निफ्टी 354 अंक लुढ़का

मुंबई एजेंसी।

विदेशी बाजारों के 1.23 प्रतिशत तक टूटने के दबाव के साथ ही स्थानीय स्तर पर जबरदस्त मुनाफावसली और महीने के अंत में वायदा एवं विकल्प सौदे का निपटान होने से आज शेयर बाजार डेढ़ माह के निचले स्तर तक लुढ़क गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स

1158.63 अंक का गोता लगाकर लगभग डेढ़ माह के निचले स्तर 60 हजार अंक के नीचे 59,984.7016 अंक पर आ गया।

इससे पहले 16 सितंबर को यह पहली बार 59 हजार अंक के पार 59141.16 अंक पर पहुंचा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 353.70 अंक टूटकर 18 हजार अंक के नीचे 17,857.25 अंक पर रहा। विश्लेषकों ने कहा कि पिछले कई सप्ताह से शेयर बाजार में ऊंचे भाव पर पांच से सात फीसदी तक का करेक्शन होने की आशंका जताई जा रही थी। इसी कड़ी में आज बाजार लगभग दो प्रतिशत तक लुढ़क गया। हालांकि महीने के अंतिम गुरुवार को वायदा एवं विकल्प सौदे का निपटान होने का असर भी बाजार पर देखा जा रहा है। साथ ही विदेशी बाजारों की गिरावट का दबाव भी बाजार पर बना है। दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी मुनाफावसूली हुई। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 354.27 अंक गिरकर 25,236.28 अंक और स्मॉलकैप 444.48 अंक टूटकर 28,089.97 अंक पर रहा। बीएसई में कुल 3405 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 2295 लुढ़क गये जबकि 985 में तेजी रही वहीं 125 के भाव स्थिर रहे। इसी तरह एनएसई में 44 कंपनियों के शेयर भाव गिर गये जबकि केवल छह चढ़ने में कामयाब रहे। बीएसई में कैपिटल गुड्स की 0.02 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष सभी समूह मुनाफावसूली का शिकार हुए। इस दौरान रियल्टी ने सबसे अधिक 3.75 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

जम्मू-कश्मीर बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 10 हुई, प्रधानमंत्री ने की सहायता राशि की घोषणा

जम्मू एजेंसी।

जम्मू -कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक मिनी बस के गहरी खाई में गिर जाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 तक पहुंच गयी और अन्य 15 घायल हो गये। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सड़क दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया और हताहतों के परिजनों को सहायता राशि देने की घोषणा की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मिनी बस डोडा से ठथरी जा रही थी इसी दौरान चिनाब के पास बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। अभी तक आठ शवों की पहचान हो चुकी है। सूत्रों ने कहा, इस दुर्घटना में दस लोगों की मौत हुई है और 15 घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद तत्काल पुलिस ने स्थानीय लोगों और जिला प्रशासन के साथ बचाव अभियान शुरू किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, जम्मू कश्मीर में डोडा जिले के ठथरी के पास सड़क दुर्घटना से दुखी हूँ। दुख की इस घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवारों के

प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दुर्घटना में घायल लोगों शीघ्र स्वस्थ हों। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। दुर्घटना में घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट किया, डोडा में ठथरी के पास हुई दुखद सड़क दुर्घटना के बारे में पता चला। अभी डोडा के उपायुक्त विकास शर्मा से उनकी बात हुई है। उन्होंने कहा, घायलों को जीएमसी डोडा अस्पताल भेजा जा गया है। जहां उन्हें हर तरह की सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के कार्यालय ने भी दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, डोडा में दर्दनाक सड़क दुर्घटना के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। मेरी प्रार्थना उन परिवारों के लिए है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। जिला प्रशासन को मृतकों के परिवारों को तत्काल राहत और घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायलों में से सात को जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ले जाया गया। मृतकों की पहचान भारोत मोहल्ला के गुलाम हसन और शबीर अहमद, रितिक शर्मा निवासी जथाली , प्रेमनगर , बखाना मोहल्ला के जमाल दीन, भरूआह के मोहम्मद लतीफ, ठथरी बरशाला की अनारी देवी, कांठी मोहल्ला के संतोष कुमार, और शिरधनी बेला के बधुर सिंह के रूप में हुई है।

कोविड टीका अभियान ने 104 करोड़ का आंकड़ा किया पार

नई दिल्ली एजेंसी।

देशभर में पिछले 24 घंटे के दौरान 49 लाख से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। इसके साथ ही कुल टीकाकरण 104 करोड के पार हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरूवार को यहां बताया कि पिछले 24 घंटों में देशभर में 49 लाख नौ हजार 254 कोविड टीके लगाए गए हैं। आज सुबह सात बजे तक कुल टीकाकरण 104 करोड़ चार 99 हजार 873 हो गया है। मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में देशभर में 16156 नए कोविड रोगी सामने आए हैं। देश में इस समय एक लाख 60

हजार 989 कोविड रोगियों का इलाज चल रहा है। संक्रमण दर 0.47 प्रतिशत है। इसी अवधि में 17095 लोग को संक्रमण से मुक्त हो गए हैं। अभी तक कुल तीन करोड 36 लाख 14434 लोग कोविड संक्रमण से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.20 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 12 लाख 90 हजार 900 कोविड परीक्षण किए गए हैं।

अमेरिका, इजरायल, भारत, यूएई के गठजोड़ में सैन्य सहयोग शामिल नहीं

नई दिल्ली एजेंसी।

इजरायल ने आज स्पष्ट किया कि अमेरिका, इजरायल, भारत एवं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का नया चतुष्कोणीय गठजोड़ केवल आर्थिक मुद्दों पर सहयोग पर केन्द्रित है और इसमें सैन्य सहयोग किसी रूप में शामिल नहीं है।

भारत में इजरायल के नये राजदूत नाओर गिलोन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की इजरायल यात्रा के दौरान इस नये गठजोड़ की पहली बैठक आयोजित की गयी जिसमें भारत एवं इजरायल के विदेश मंत्री प्रत्यक्ष रूप से और अमेरिका एवं यूएई के विदेश मंत्री वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए। इस चतुष्कोणीय गठजोड़ के स्वरूप और इन देशों के बीच सैन्य सहयोग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस गठजोड़ में सैन्य सहयोग का कोई तत्व

नहीं है। यह केवल आर्थिक सहयोग एवं अवसंरचना विकास पर केन्द्रित है। हर देश की सैन्य मामलों में अपनी अपनी संवेदनशीलता है और इसे देखते हुए इसमें सैन्य तत्व को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा विचार है कि इजरायल की तकनीक, यूएई के निवेश, भारत की विनिर्माण क्षमता तथा अमेरिका की तकनीकी आर्थिक प्रभाव को देखते हुए यह नया चतुष्कोणीय गठजोड़ एक महत्वपूर्ण आर्थिक ब्लॉक बन सकता है। इस गठजोड़ की उच्चतम स्तर पर बैठक आयोजित किये जाने की संभावना के बारे में पूछने पर श्री गिलोन ने कहा कि इस समय वह नहीं कह सकते हैं कि उच्चतम स्तर की बैठक हो सकती है। अभी इसके बारे में बातचीत हो रही है।

मंत्री इजरायल या यूएई में कंपनियों से मिलना चाहते हैं। अगली बैठक कंपनियों के साथ होगी या नेताओं की शिखर बैठक, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। हालांकि नेताओं की बैठक को लेकर भी हम आशान्वित हैं। अपनी आरंभिक टिप्पणी में उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा को बेहद सफल तथा भारत इजरायल की सामरिक साझीदारी को नयी ऊंचाई देने वाला करार दिया। बाद में एक सवाल के जवाब में श्री गिलोन ने कहा कि बैठक में भारत एवं इजरायली प्रतिनिधिमंडल के बीच ईरान के बारे में भी खुलकर बात हुई।

उन्होंने कहा कि यह सही है कि प्रत्येक देश के अपने हित होते हैं। इजरायल का ईरान के बारे में दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट है और उसने ईरान के एक राष्ट्रपति द्वारा इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटा देने की धमकी को बहुत गंभीरता से लिया है। उसका परमाणु शक्ति से संपन्न होना पश्चिम एशिया की शांति के लिए खतरा है। उन्होंने माना कि भारत के अफगानिस्तान में हितों एवं मध्य एशियाई देशों में पहुंच के मुद्दे पर ईरान में भारत के अपने हित हैं। बैठक में भारतीय अधिकारियों ने उसके बारे में भी चर्चा की।

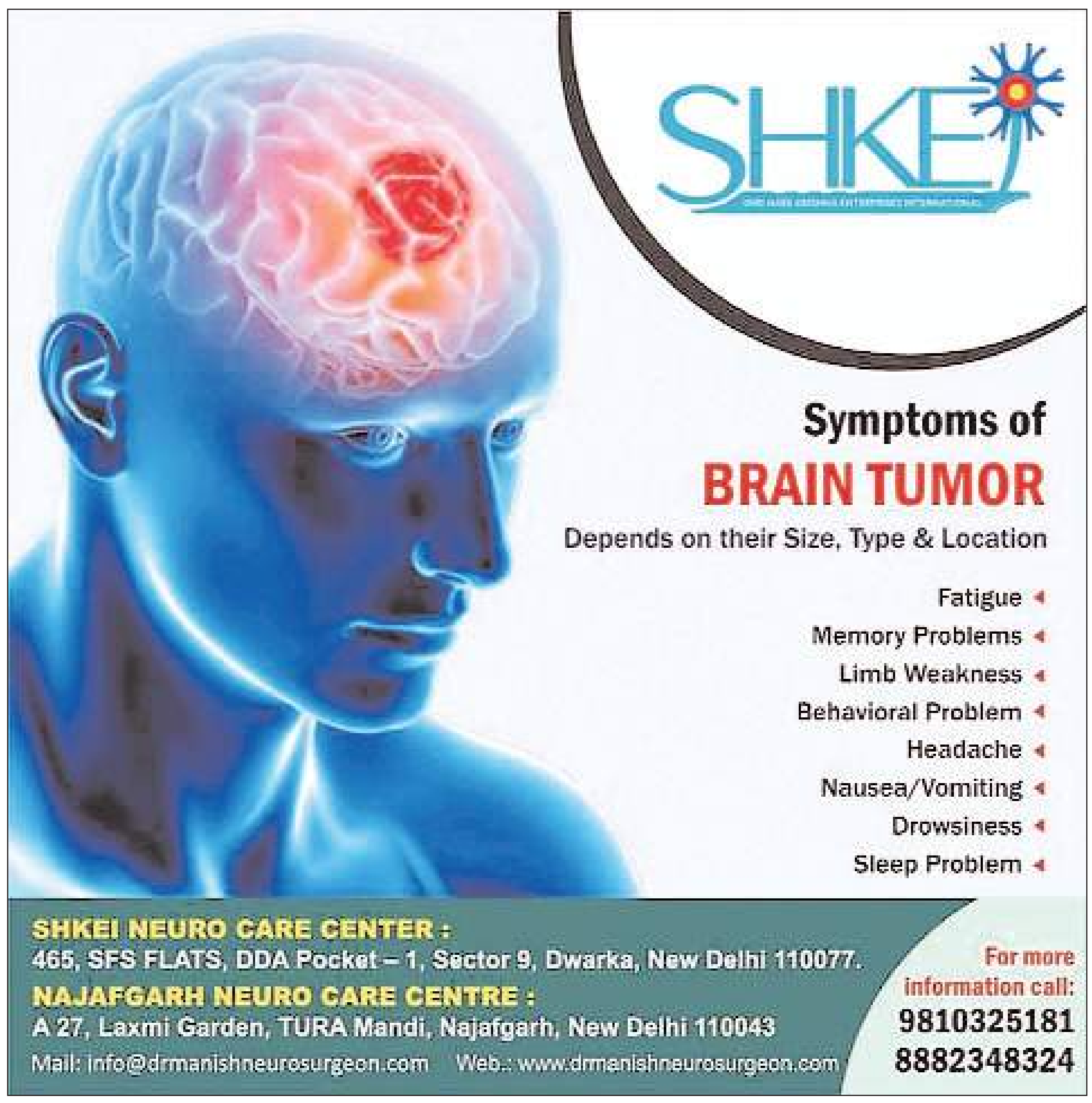

एक नज़र

चौबेपुर हत्याकांड पर कांग्रेस की सियासत शुरू, प्रदेश कमेटी की महिला प्रवक्ता ने दिया था शव को कंधा

कानपुर (एजेंसी) कांग्रेस अब चुनावी मोड में है। प्रदेश हो या जिला, कार्यकर्ता हर मुद्दे को भुनाना चाहते हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा के कदमों पर अब जिला प्रभारी भी चलने लगे हैं। चौबेपुर के पनऊपुरवा गांव में राजनीतिक रंजिश के चलते हुई हत्या को भी नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने भुना लिया। पीड़ित परिवार से कार्यकर्ता मिले, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों से लिखित में परिवार को मदद देने का आश्वासन दिलाया। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महिला प्रवक्ता ने खुद शव को कंधा दिया। चौबेपुर में चुनावी रंजिश के चलते क्षेत्रीय दबंगों ने युवक की पीट पीटकर हत्या कर दी। घर में तोड़ फोड़ की और महिलाओं से भी अभद्रता की। दबंगों को क्षेत्रीय पुलिस का भी सपोर्ट था।

नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी को यह मुद्दा मिल गया। नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अमित पांडेय प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता ऊषा रानी कोरी और अन्य समर्थकों के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंच गए। पुलिस मृतक का अंतिम संस्कार कराना चाहती थी ऐसे में कांग्रेस पदाधिकारियों ने पुलिस का विरोध किया और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अफसरों से मुआवजा और दोषी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी करने की मांग पर अड़ गए। प्रशासनिक अफसर पीड़ित परिवार की मौखिक सभी शर्तें पूरी करने को तैयार थे लेकिन कांग्रेस के पदाधिकारी लिखित में आश्वासन चाहते थे।

दबाव बढ़ा तो प्रशासनिक अफसरों ने लिखित आश्वासन भी दे दिया।इसके बाद बारी थी लोगों से भावनात्मक रूप से जुड़ने की। कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने परिवार की सहमति से शवयात्रा प्रारंभ की।महिला होने के बावजूद प्रवक्ता ऊषारानी कोरी ने शव को कंधा दिया।कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा किए गए इस कार्य की गांव में खूब चर्चा रही। पदाधिकारी भी यही चाहते थे क्योंकि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में वह कोई भी कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं।

कहीं क्लोनिंग तो कहीं बैंककर्मी बन साइबर जालसाज कर रहे ठगी, तीन लोगों के खाते से चार लाख से ज्यादा निकाले

लखनऊ (एजेंसी) राजधानी में साइबर जालसाज लगातार लोगों की गाढ़ी कमाई लूट रहे हैं। जालसाजों ने लोहिया अस्पताल के चालक समेत तीन के खातों से करीब चार लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने खाते से पैन कार्ड अपडेट करने का झांसा दिया तो कहीं क्लोन व बैंककर्मी बनकर फंसाया। ठगी के यह मामले गोमतीनगर, गुडम्बा व विभूतिखण्ड के हैं। पुलिस तीनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से पड़ताल कर रही है। विरामखण्ड-1 में अनूप कुमार श्रीवास्तव रहते हैं।

उनका बचत खाता एसबीआई में है। बीते शुक्रवार को 9547838...से मैसेज आया। मैसेज में एसबीआई खाते में पैन कार्ड अपडेट करने का लिंक था। जैसे ही अनूप ने लिंक में क्लिक किया तो नेट बैंकिंग के सारे विकल्प आने लगे। अनूप ने विकल्प को भरा, तभी दोनों खातों से तीन बार में 1.20 लाख रुपये निकल गये। रुपये कटने का मैसेज देख अनूप ने इंटरनेट बैंकिंग व एटीएम कार्ड ब्लॉक करवाया। बैंक में प्रार्थना पत्र देने के बाद पीड़ित ने साइबर क्राइम सेल में भी शिकायत की। उसके बाद अनूप ने गोमतीनगर थाने में शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी व आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं, कल्याणपुर के कंचननगर में योगेन्द्र सिंह मेहरा परिवार के साथ रहते हैं। उनका बचत खाता एक्सिस बैंक से है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले एक कॉल आयी।

फोनकर्ता ने अपना परिचय एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट से राकेश कुमार के रूप में दिया। झांसा दिया कि सर आपका क्रेडिट कार्ड अगले साल समाप्त हो रहा है। अगर हाउसिंग डॉट कॉम से एक योजना के साथ अपग्रेड किया जाए तो कुछ बाउचर व ऑनलाइन शापिंग में 5 प्रतिशत की छूट मिलेगी। बातों में फंसाने के बाद जालसाज ने ओटीपी हासिल किया और फिर खाते से दो बार में 1,98,548 रुपये गायब कर दिये। रुपये कटने का मैसेज देख योगेन्द्र के पैरों तले जमीन खिसक गयी। बैंक में शिकायत करने के बाद पीड़ित योगेन्द्र सिंह मेहरा ने सोमवार को गुडम्बा थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। उधर, मूल रूप से हनुमानगंज सुल्तानपुर निवासी रामजी यादव वर्तमान में डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में संविदा चालक के पद पर है। उनका वेतन खाता यूनियन ओवरसीज बैंक विभूतिखण्ड शाखा में है।

लखनऊ में युवक पर बम से हमला करने वाले की तलाश तेज, मुख्य आरोपित के कई ठिकानों पर छापेमारी

लखनऊ (एजेंसी) मुंशी पुलिया चौराहे के पास एक युवक पर बम से हमला करने वाले दो आरोपियों को इंदिरानगर पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपित सलमान अभी भी फरार चल रहा है। गुरुवार तड़के पुलिस टीम ने शक्तिनगर स्थित घर पर छापेमारी की। छापेमारी में सलमान बच निकला। अन्य जगहों पर दबिश दी जा रही है।

बीते 19 अक्टूबर को मुंशी पुलिया चौराहे के पास आरोपित अतुल, सलमान और सुल्तान ने एक युवक पर बम मार दिया था। इंस्पेक्टर इंदिरानगर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर उप निरीक्षक अरविन्द कुमार तिवारी दो अन्य साथियों संग मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देख तीनों भागने लगे। पुलिस ने घेरकर एक युवक को पकड़ लिया जबकि सुल्तान व सलमान फरार हो गए। पूछताछ में उसने अपना नाम अतुल सिंह निवासी गोमतीनगर बताया। इंदिरानगर इंस्पेक्टर रामफल प्रजापति ने बताया कि सुल्तान व सलमान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार जगह-जगह दबिश दे रही थी।

सोमवार को सुल्तान को भी गिरफ्तार कर लिया। सुल्तान शक्तिनगर ढाल सर्वोदय नगर थाना गाजीपुर का है। वहीं, शक्तिनगर ढाल सर्वोदय नगर का सलमान अभी फरार है। सलमान के घर गुरुवार सुबह पुलिस टीम ने छापेमारी की, इस दौरान आरोपित बच निकला सलमान के खिलाफ गाजीपुर थाने में कई मुकदमे भी दर्ज हैं। पुलिस तलाश कर रही है। जिस युवक पर हमला हुआ था उससे सुल्तान की कुछ कहासुनी हुई थी इसके बाद सुल्तान ने अतुल व सलमान के साथ मिलकर युवक पर हमला कर दिया था। 19 साल से फरार हत्यारोपित मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना क्षेत्र में अक्टूबर 2002 में हुई मोअज्जम की हत्या में फरार चल रहे परवेज उर्फ पर्रु को चौक पुलिस की मदद से इमामबाड़े के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पेपर हैंडओवर के बदले दो लाख की रिश्वत लेते बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता रंगे हाथ गिरफ्तार

मेरठ (एजेंसी) मेरठ में रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। विजिलेंस की टीम ने बिजली विभाग में तैनात अधीक्षण अभियंता ग्रामीण प्रथम को उसके कार्यालय से दो लाख रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ धर दबोचा जिसके बाद विजिलेंस की टीम आरोपित अधीक्षण अभियंता को पकड़कर सिविल लाइन थाने ले आई और उससे पूछताछ की।

अधीक्षण अभियंता ने बिजली लाइन शिफ्टिंग का रूटमैप के पेपर हैंडओवर लेने के एवज में कंपनी के निदेशक से बारह लाख रूपये की रिश्वत की डिमांड की थी। पुलिस ने पीड़ित कम्पनी के डायरेक्टर की तहरीर पर पकड़ गए आरोपित अधीक्षण अभियंता देवेंद्र पचौरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं रिश्वत लेते गिरफ्तार अधीक्षण अभियंता की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग में हड़कंप मच गया।

चंडीगढ़ की अरविन्द इलैक्ट्रानिक कम्पनी के डायरेक्टर कुलबीर साहनी ने बताया की उनके पास मुरादनगर से लेकर मोदीपुरम तक एनसीआरटीसी के प्रोजेक्ट रैपिड रेल को लेकर बिजली की लाइन का शिफ्टिंग का ठेका है जिसके चलते अधीक्षण अभियंता ग्रामीण प्रथम ने कुलबीर साहनी से लाइन शिफ्टिंग का रूटमैप के पेपर हैंडओवर लेने के एवज में उनसे बारह लाख रूपये की रिश्वत मांगी थी।

लखनऊवासियों ने कहा-अब वो आंखें नहीं, जिनमें मिलता था हर गली का पता

लखनऊ (एजेंसी)
लखनऊ को योगेश प्रवीन ने जैसे देखा और शब्दों में उकेरा, वैसा किसी ने नहीं किया। सिर्फ इतिहास नहीं, साहित्य की लगभग हर विधा को डा योगेश प्रवीन की लेखनी ने लालित्य से सजाया। लोग उन्हें प्यार और सम्मान से दाऊ कहते। यह उनके व्यक्तित्व का बड़प्पन ही था कि वह सबके दाऊ यानी बड़ा भाई बन गए। वह हमारे बीच नहीं, पर उनकी किताबें वह जरिया हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियां लखनऊ और अवध के इतिहास को जान सकेंगी।

कोरोना ने हमसे योगेश प्रवीन के रूप में शहर का ज्ञानकोश छीन लिया। वरिष्ठ नृत्यांगना कुमकुम धर ने कहा कि जब से मैंने नृत्य भी करना शुरू नहीं किया था और अन्य विधाओं पर काम कर रही थी, तब से योगेश भाई से जुड़ी थी। उन्होंने मेरे लिए गंगा अवतरण और नारायणी नमो नमः समेत कई नृत्य नाटिकाएं भी लिखीं। चाहे गजल हो, नज्म हो या सारांश, उन्होंने मेरे लिए सब कुछ लिखा। वह जो लिखते थे, उसमें उनका अनुभव और अध्ययन साफ नजर आता। उनके उत्कृष्ट लेखन के पीछे उनका शास्त्रों, इतिहास और भाषा का ज्ञान था। मैंने लखनऊ महोत्सव में एक बार कथक की पूरी कथा प्रस्तुत की थी, उसका सारांश योगेश भाई ने बनाकर दिया था। जब भी मैं उनसे कुछ लिखने के लिए आग्रह करती, वह बड़े भाई जैसे स्नेह के साथ कहते- तुम चिंता न करो, मैं लिखकर भिजवा दूंगा। उनके जाने के बाद कई सारे अवसर आए जब मुझे उनकी बहुत जरूरत महसूस हुई, उन्हें दिल से याद किया। इतनी सारी विधाओं का ज्ञाता अब कहां मिलेगा। उनके काम को संरक्षित किया जाए : शायर मनीष शुक्ल ने बताया कि दाऊ के लेख अखबारों में पढ़ता था, तब से उनका मुरीद था। साहित्यिक रुचि के कारण उनसे प्रगाढ़ता बढ़ती गई। दाऊ के इल्म से हम सब परिचित थे। उनके व्यक्तित्व में मातृत्व और पितृत्व दोनों का भाव रहता। उनको उप्र प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में उत्तर प्रदेश की

संस्कृति और साहित्य के परिचय पर व्याख्यान देने के लिए निरंतर बुलाया जाता रहता था। दाऊ आइएएस-पीसीएस के बैच को उत्तर प्रदेश की संस्कृति, साहित्य और कला पर व्याख्यान देते। उनके व्याख्यान के लिए हमेशा मांग रहती। प्रशासनिक अकादमी में पोस्टिंग के दौरान दाऊ के लेक्चर के बाद का दृश्य मुझे हमेशा याद आता है। वह भीड़ के बीच घिरे रहते और उनसे बात करना तक मुश्किल होता। मैं उनसे हमेशा कहता था कि ज्ञान की इस अविरल धारा को कलमबद्ध कीजिए, पर यह काम भी अधूरा रह गया। हमने ज्ञान का प्रकाश स्तंभ खो दिया और दुख यह कि हम उन्हें अंतिम विदाई भी ठीक से नहीं दे पाए। अपेक्षा यही है कि उनकी स्मृतियां विस्मृत न हों, उनके काम को संरक्षित किया जाए। उनकी विद्वता और सादगी याद आती है : दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख आत्म प्रकाश मिश्र ने बताया कि आकाशवाणी और दूरदर्शन उन्हें प्रिय थे। इसके पीछे वह यह कारण भी बताते थे कि उनका और आकाशवाणी लखनऊ का जन्म वर्ष एक था। वह मुझसे कहते थे कि अगर मैं लखनऊ की कलम हूं तो तुम लखनऊ की आवाज हो। 2017 में मैंने दूरदर्शन के लिए ट्रैवल शो यूपी दर्शन बनाया। हमारे निवेदन पर दाऊ ने छह कड़ियों में उसका आलेख लिखा। उनकी विद्वता, सरलता, सादगी और वाकपटुता हमेशा याद आती है। सर्वसुलभ रहने वाले दाऊ आज हमारे बीच नहीं हैं, पर उनके लेखन ने आज भी उन्हें जीवंत रखा है। उनके लेखन कार्य को सहेजना ही उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। इंसाइक्लोपीडिया बनना आसान नहीं : उप्र संगीत नाटक अकादमी के सचिव तरुण राज ने बताया कि अवध की तहजीब और परंपराओं का चलता-फिरता इंसाइक्लोपीडिया बनना आसान नहीं। इसके पीछे उनका अध्ययन तो था ही, साथ ही वह अथाह प्रेम भी था जो वह लखनऊ और लखनऊवालों से करते थे। सरल, सौम्य और विनम्र व्यक्तित्व, अवध के इतिहास, रंगमंच और साहित्य का अद्वितीय चितेरा और इन सबसे ऊपर एक अद्भुत इंसान...। उनका सानिध्य किसी को भी लखनऊ से प्रेम करने को मजबूर कर दे। मैंने उन्हें विभिन्न विधाओं के लेखक के साथ ही एक उम्दा उद्घोषक के रूप में भी देखा। उनकी यह विविधता और बुद्धिमत्ता हमेशा याद आती है।

अवध को अपनी मां की तरह देखते : इतिहासविद् रवि भट्ट ने बताया कि वह कहीं नहीं गए, अवध की सामाजिक सोच में उनकी उपस्थिति हमें बराबर अनुभव होती है। इतिहासकार बहुत सारे हुए हैं, आगे भी होंगे, पर उनकी विशिष्टता यह रही है कि वह अवध की लोक संस्कृति के प्रतीक होते थे। वह अवध को, यहां की संस्कृति और इतिहास को अपनी मां की तरह देखते थे।

राम मंदिर में लगेगा श्रीलंका के अशोक वाटिका का पत्थर

रामलला के दरबार में शिला लेकर पहुंचे श्रीलंका से राजनायिक

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने भी स्वीकार किया कि इस शिला के प्रति पूरा सम्मान अर्पित किया जाएगा। हालांकि अभी यह नहीं तय किया जा सका है कि राम मंदिर में अशोक वाटिका से आई शिला का किस रूप में प्रयोग होगा।

अयोध्या,(एजेंसी)
मंदिर निर्माण के लिए अशोक वाटिका की शिला गुरुवार को अयोध्या पहुंची। श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंद मोरा गोडा के नेतृत्व में श्रीलंका के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रथम बेला में रामलला का दर्शन किया।

इस दौरान श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को अशोक वाटिका से लाई गई शिला भेंट की। यह शिला युगों पुराने अयोध्या और श्रीलंका के संबंधों की याद दिलाने वाली है। अपहरण के बाद रावण मात सीता को श्रीलंका की इसी अशोक वाटिका में रखा था और माता सीता की हनुमान जी से भेंट अशोक वाटिका में ही हुई थी। राम जन्मभूमि परिसर में श्री लंका के प्रतिनिधिमंडल का तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अलावा अयोध्या के साधु संतों ने स्वागत किया। स्वागत करने वालों में मणिराम दास जी की छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य उदासीन ऋषि आश्रम के महंत डा भरत दास अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत गौरी शंकर दास आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण राम कचहरी मंदिर के महंत शशिकांत दास महंत हरसिद्धि शरण कृपालु राम भूषण दास राम कुमार दास महंत छविरामदास पार्षद एवं हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास आदि प्रमुख रहे। इन संतो ने अशोक वाटिका की शिला को हृदयस्पर्शी बताया और कहा इसका अयोध्या आना श्री राम और मां सीता के अनुरागी समूह के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है और इसे पूरे सम्मान के साथ राम मंदिर में संरक्षित प्रतिष्ठित किया जाएगा। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने भी स्वीकार किया कि इस शिला के प्रति पूरा सम्मान अर्पित किया जाएगा। हालांकि अभी यह नहीं तय किया जा सका है कि राम मंदिर में अशोक वाटिका से आई शिला का किस रूप में प्रयोग होगा। शिला समर्पित करने के बाद श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या राज्य परिवार के प्रासाद राज सदन में पत्रकारों से वार्ता की।

श्रीलंका के उप उच्चायुक्त नीलूका कदरगमआ ने बताया कि श्रीलंका में रामायण राम कथा और अयोध्या के बारे में सभी जानते हैं। 20 वर्ष पूर्व से श्रीलंका में रामायण यात्रा नाम की एक परियोजना संचालित है। श्रीलंका की रामायण यात्रा में बहुत से भारतीय भी शामिल होते हैं और वे श्रीलंका में रामायण कालीन अवशेषों का दर्शन करते हैं। इस मौके पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य एवं अयोध्या राज परिवार के मुखिया विमलेंद्र मोहन मिश्र तीर्थ क्षेत्र के एक अन्य सदस्य डॉ अनिल मिश्र एवं विहिप के प्रांतीय प्रवक्ता शरद शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पहले चरण में पांच लाख युवाओं को मिलेगा स्मार्टफोन और टैबलेट, यूपी सरकार ने तेज की खरीद प्रक्रिया

लखनऊ (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की युवाओं को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने की मुहिम परवान चढ़ रही है। पहले चरण में युवाओं को देने के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन के खरीद की प्रक्रिया तेज हुई है। औद्योगिक विकास विभाग की ओर से टैबलेट और स्मार्टफोन की खरीद के लिए एक या दो दिन में टेंडर जारी करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

देश में पहला राज्य यूपी होगा, जो इतने बड़े पैमाने पर टैबलेट और स्मार्टफोन का युवाओं का वितरण करेगा। सीएम योगी ने प्रदेश में एक करोड़ युवाओं को टैबलेट या स्मार्टफोन देने की घोषणा की है। इसके लिए उन्होंने वर्तमान वित्त वर्ष में तीन हजार करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए हैं। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप औद्योगिक विकास विभाग ने टैबलेट और स्मार्टफोन की खरीद के लिए उम्मीद जताई जा रही है कि अगले माह के अंत तक चयनित कंपनियों को परचेज आर्डर दिया जाएगा। इसके बाद जिले स्तर पर लाभार्थियों को वितरण शुरू होगा। जेम पोर्टल पर टेंडर जारी होने के 21 दिन बाद खुलेगा। जेम पोर्टल पर यह अब तक का सबसे बड़ा टेंडर होगा। चयनित कंपनियों को पहले लॉट में कम से कम ढाई लाख टैबलेट की आपूर्ति करनी होगी।

हालांकि स्मार्टफोन के लिए चयनित कंपनियों को पहले लॉट में कम से कम पांच लाख स्मार्टफोन की आपूर्ति करनी होगी। टेंडर में तय होगी टैबलेट या टैबलेट या स्मार्टफोन की कीमत का निर्धारण टेंडर के बाद होगा। इसके लिए विभाग की ओर से नियम और शर्तें टेंडर में दी जाएंगी। उसी के आधार पर टैबलेट या स्मार्टफोन की कीमत तय होगी।

लखनऊ में परिचित ने ही मारी थी रेस्टोरेंट संचालक को गोली, सीसी फुटेज में दिखे बदमाश : गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

लखनऊ (एजेंसी) चंदरनगर आलमबाग में बुधवार देर रात चिक-चिक रेस्टोरेंट के मालिक जसविंदर सिंह उर्फ रोमी को परिचित ने ही गोली मारी थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर पहले विवाद हुआ उसके बाद बाइक सवारों ने उन्हें गोली मार दी। घटनास्थल के पास लगे सीसी कैमरे में दोनों बदमाशों की फुटेज पुलिस को मिल गई है। इंस्पेक्टर अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि डीसीपी के निर्देश पर सर्विलांस, क्राइम टीम समेत चार टीमें बदमाशों की तलाश में गठित की गई हैं। जल्द ही बदमाशों की गिरफ्तारी की जाएगी। वहीं, घटना से व्यापारियों में आक्रोश है।

उन्होंने हमलावरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। रेस्टोरेंट ट्रामा में भर्ती रेस्टोरेंट संचालक की हालत नाजुक बताई जा रही है। बदमाशों ने उन्हें दो गोली मार थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि डाक्टरों ने जसविंदर का आपरेशन करने के लिए कहा है। उनके गोली फंसी है। बदमाशों ने एक गोली सीने के पास और दूसरी पेट में मारी थी। गोली लगने से जसविंदर मौके पर ही धरासाई हो गए थे। पुलिस के मुताबिक गोली मारने वाला आरोपित ग्राहक है। वह अकसर जसविंदर की दुकान पर खाने-पीने का सामान खरीदने आता था। बुधवार रात भी दोनों बाइक से पहुंचे। जसविंदर दुकान के बाहर खड़े थे। उनके बीच कुछ बात हुई। नोकझोंक हुई उसके बाद बाइक सवार ने उन्हें गोली मार दी थी। घटना की जानकारी पर आनन फानन इंस्पेक्टर और अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। पुलिस ने मौके से दो खोखे भी बरामद किए थे। उसके बाद जसविंदर को ट्रामा में भर्ती कराया गया था। अधिकारियों के निर्देश पर देर रात ही पुलिस की कई टीमें लगा दी गई थीं।

यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो फिर बांटेंगे लैपटाप, आजमगढ़ में बोले अखिलेश यादव

आजमगढ़ (एजेंसी)
जिस समय हाईस्कूल और इंटर का रिजल्ट आया तो मुझे लगा कि सरकार मेधावी बच्चों का सम्मान करेगी, क्योंकि भाजपा के संकल्प पत्र में लिखा है कि सरकार बनने पर बच्चों को लैपटाप के साथ डेटा भी फ्री देंगे, लेकिन साढ़े चार साल बीतने के बाद भी नहीं दिया।

ऐसे में हमने सरकार को याद दिलाने के लिए कुछ बच्चों को लैपटाप देने का फैसला लिया।सरकार बनी तो मेधावी बच्चों को फिर लैपटाप बांटेंगे। यह बातें पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को सेहदा स्थित श्री दुर्गा जी इंटर कालेज में छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में कही। उन्होंने कहा कि अब सुना हूं कि सरकार टैबलेट बांटने जा रही है, लेकिन उनसे पूछना चाहता हूं कि साढ़े चार साल में आपने इतने दिनों तक कौन सी टैबलेट इन बच्चों को दी।कहा कि नई पीढ़ी नई तरीके से पढ़ाई करना चाहती है। इसीलिए हमने मेधावी बच्चों को लैपटाप देने का फैसला किया था।कोरोना काल में वही लैपटाप बच्चों के पढ़ाई के काम आया। अखिलेश ने कहा कि हमारे इस फैसले से बाबा सोच में पड़ गए हैं कि कौन आ रहा है तो कहना चाहूंगा कि हमारा लैपटाप खोल लें, पता चल जाएगा, जिसमें हम और नेताजी ही दिखाई देंगे। प्रदेश की 24 करोड़ लोग भाजपा का सफाया कर देंगे, लेकिन वह चलाना ही नहीं जानते, चलाना जानते तो बांटा होता।

पूर्व सीएम ने कहा कि हमारी सरकार में गांव में बैठे लोगों को इलाज उपलब्ध कराने के लिए 102 और 108 नंबर की एंबुलेंस चलाई गई।100 नंबर पुलिस की व्यवस्था की, ताकि लोगों को तुरंत पुलिस पहुंच जाए। भाजपा सरकार ने उस नंबर को 112 कर दिया, लेकिन पुलिस तो अब भी पहुंच रही है।सरकार केवल नाम बदलना जानती है, शिलान्यास का शिलान्यास और उद्घाटन का उद्घाटन कर रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि हमारी सरकार होती, तो पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे देश की सबसे अच्छी सड़क होती, लेकिन भाजपा सरकार ने सड़क को खराब कर दी।

इस पर सफर करने वालों को पेट और कमर में दर्द हो जाएगा।यही नहीं मेरी सरकार होती, तो अब तक इसका लोकार्पण हो गया होता। दावा किया कि जिस तरह से हमने आगरा की सड़क पर जहाज उतारा था उसी तरह से सरकार बनने पर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जहाज उतारने के बाद ही इसका लोकार्पण होगा।

लखीमपुर खीरी हिंसा कांड के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू की जमानत पर अब तीन को सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)
लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मौत के मामले के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू की जमानत अर्जी कोर्ट ने गुरुवार को स्वीकार कर ली है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा की इस याचिका पर अब तीन नवंबर को सुनवाई की जाएगी।

लखीमपुर खीरी हिंसा के कांड में चार किसानों के साथ तीन भाजपा कार्यकर्ता तथा एक पत्रकार की हत्या के मामले के मुख्य आरोपित आशीष मिश्र मोनू सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस केस में क्रास एफआइआर पर भी पुलिस एक्शन में है। सुमित जायसवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआइआर पर दो प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। लखीमपुर खीरी जिले की बहुचर्चित हिंसा मामले में केंद्रीय मंत्री के पुत्र आशीष मिश्र की जमानत पर सुनवाई गुरुवार को जिला जज मुकेश मिश्र की अदालत में टल गई है। इस मामले में अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी।

गुरुवार को जिला जज की अदालत में होने वाली आशीष मिश्र की जमानत पर सुनवाई इसलिए टाल दी गई है क्योंकि अभी इस पूरे मामले में केस डायरी ही अपूर्ण है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक अभी इस हिंसा से जुड़े कई सबूत और फॉरेंसिक रिपोर्ट ही केस डायरी में संलग्न नहीं हो पाई है। इसके साथ ही कई गवाहों के बयान भी अदालत में दर्ज नहीं हो पाए हैं। इसके पीछे जिले में अचानक आई बाढ़ की आपदा को भी माना जा रहा है। आरोपित आशीष मिश्र की मेडिकल रिपोर्ट भी अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे एक दो नहीं कई बिंदु है जिनको केस डायरी में शामिल किए बिना जमानत पर सुनवाई संभव नहीं थी। जिसके चलते अभियोजन पक्ष ने जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल करते हुए अभी इस मामले में कुछ और समय मांगा। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीन को इस याचिका पर सुनवाई का निर्णय किया। दीपावली से ठीक दिन पहले अदालत में यह तय हो जाएगा कि आशीष मिश्र की जमानत यहां से होगी या नहीं।

इस केस में आशीष मिश्रा मोनू से पहले गिरफ्तार आरोपित लवकुश राणा तथा आशीष पाण्डेय की जमानत अर्जी बुधवार को जिला जज की अदालत में दाखिल की गई। इसके बाद दोनों की जमानत पर सुनवाई के लिए तीन नवम्बर की तिथि नियत की गई है। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया हिंसा कांड कांड के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने बुधवार को एक दर्जन और गवाहों के बयान दर्ज किए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विवेचक ने घटना के गवाहों के मजिस्ट्रेट के समक्ष 164 सीआरपीसी के तहत बयान दर्ज कराने की कवायद शुरू कर दी थी। पहले दिन घटना के मामले में पांच गवाहों के बयान दर्ज हुए थे।

21 अक्टूबर को चार गवाही के बयान, 22 अक्टूबर को 12 गवाहों के बयान, 25 अक्टूबर को सात गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे। 26 अक्टूबर मंगलवार को तीन और गवाहों के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए गए थे। 27 अक्टूबर बुधवार एक दर्जन गवाहों के बयान दर्ज किए गए। अब तक 42 गवाहों के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई से पूर्व सभी गवाहों के बयान दर्ज कराने में एसआइटी ने कवायद शुरू कर दी है।

एक नज़र

फर्श बाजार में बीडी देने से मना करने पर दुकानदार का गला रेता, आरोपित फरार

नई दिल्ली (एजेंसी) फर्श बाजार इलाके में बीड़ी देने से इन्कार करने पर एक युवक ने दुकानदार का गला रेत दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गया। गंभीर हालत में दुकानदार दीपक को हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस केस दर्ज कर आरोपित की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार दीपक परिवार के साथ एनएसए कालोनी में रहते हैं। घर के पास ही उनकी मोबाइल चार्जर की दुकान है। कालोनी के रहने वाले मोहित नाम के एक युवक ने उनसे बीड़ी मांगी, उन्होंने बीड़ी देने से इन्कार कर दिया। इस बात से नाराज होकर मोहित उनसे गाली गलौज करने लगा, दुकानदार ने उसके थप्पड़ मार दिया। उस वक्त तो आरोपित वहां से चला गया, लेकिन जब पीड़ित मंडी से सामान लेकर अपने घर जा रहे थे। रास्ते में आरोपित ने उनका रास्ता रोक लिया और उस्तरे से उनका गला रेत दिया। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जख्मी हालत में दुकानदार को अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं एक अन्य मामले में उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने अंकुश अभियान के तहत दो बदमाशों को अलग-अगल इलाकों से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो पिस्टल, चोरी की दो मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है।

जिला पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन ने बताया कि जिला पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए अंकुश नाम से अभियान चलाया है। त्योहारों को देखते हुए भी पुलिस ने जिले में गश्त बढ़ा दी है। स्पेशल स्टाफ की टीम ने जाफराबाद स्कूल के पास एक शातिर झपटमार को पकड़ा। बदमाश की पहचान उस्मान के रूप में हुई है। जांच में पुलिस को पता चला उसके खिलाफ पहले से ही 21 केस दर्ज हैं। वहीं भजनपुरा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर घोषित बदमाश महमूद को भजनपुरा डिस्पेंसरी के पास से पकड़ लिया।

फेसबुक पर फर्जी आइडी बनाकर किडनी ट्रांसप्लांट करवाने वाले दो दबोचे, आरोपितों ने मुंबई के डाक्टर से 10 लाख ठगे

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने किडनी ट्रांसप्लांट करवाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित विपिन कुमार यूपी के अलीगढ़ व राहुल यादव प्रतापगढ़ का रहने वाला है। दोनों आरोपितों कोरोना महामारी के दौरान फेसबुक पर फर्जी आइडी बनाकर किडनी ट्रांसप्लांट करवाने के नाम पर ठगी करने का गिरोह चला रहे थे। आरोपितों ने अभी हाल ही में मुंबई के एक डाक्टर से 10 लाख रुपये की ठगी की थी। साथ ही पांच अन्य लोगों के साथ इस तरह की ठगी कर चुके हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपित देशभर में 50 से अधिक पीड़ितों के संपर्क में थे।

फिलहाल इस बारे में पूछताछ की जा रही है कि आरोपित अब तक कुल कितनों लोगों को ठग चुके हैं। क्राइम ब्रांच के संयुक्त आयुक्त आलोक कुमार के मुताबिक डाक्टर राजीव रमेशचंद्र सर्जन हैं और मुंबई में रहते हैं। उन्हें किडनी से संबंधित बीमारी है, जिसके चलते उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई थी। उनका कोई नजदीकी रिश्तेदार नहीं है जो उन्हें किडनी दे सके। ऐसे में वह विज्ञापन के माध्यम से करण नाम के युवक के संपर्क में आए। करण ने उन्हें मिलने के लिए दिल्ली बुलाया। 27 अगस्त को दिल्ली में मुलाकात के दौरान करण ने उनसे छह लाख रुपये एडवांस मांगे। बातचीत करने के बाद राजीव ने उसे साढ़े तीन लाख रुपये दिए।

सितंबर माह में करण को उन्होंने एक लाख रुपये आनलाइन भेजे। उन्हें बताया गया कि दिल्ली के अस्पताल में 17 सितंबर को उनका आपरेशन होगा। अस्पताल बुलाकर हुआ फरार- 16 अक्टूबर को करण ने राजीव को फोन कर दिल्ली के एक नामी अस्पताल के बाहर बुलाया। वहां उनसे पांच लाख रुपये लेकर अस्पताल के अंदर जाने के लिए कहा। राजीव जब वहां पर गए तो पता चला कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। शिकायत पर क्राइम ब्रांच में मामला दर्ज किया गया था। इंस्पेक्टर प्रदीप पालीवाल की देखरेख में एसआइ संजीव गुप्ता की टीम ने जांच की।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मनाया, रोका तो दो भाइयों को बुरी तरह पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी) पाकिस्तान क्रिकेट टीम की जीत पर राजधानी में पटाखे फोड़ने के बाद अब मारपीट का मामला भी सामने आया है। दो सगे भाइयों को इसलिए बुरी तरह से पीट दिया गया, क्योंकि उन्होंने आरोपितों को जीत का जश्न मनाने से रोका था। वारदात सीलमपुर इलाके की है। बुधवार सुबह पड़ोसियों ने दीपक और उसके भाई नवीन को बुरी तरह से मारा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गए। गंभीर हालत में दोनों को जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

जहां से उन्हें जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर आरोपित रफीक और उसके दो बेटों चांद व समीर को गिरफ्तार किया है। पीड़ित भाइयों का आरोप है कि आरोपित टी-20 मैच में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मना रहे थे, उन्होंने विरोध किया तो उनपर हमला कर दिया। इस घटना पर जिला पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन ने बताया कि कबूतरबाजी और पतंबाजी को लेकर झगड़ा हुआ था, इंटरनेट मीडिया पर इस मामले को कोई दूसरा रंग देने का प्रयास न करें। जानकारी के अनुसार, दीपक अपने परिवार के साथ सीलमपुर में रहते हैं। उनके पड़ोस में रफीक अपने परिवार का साथ रहता है। बुधवार सुबह रफीक के बेटों का दीपक के भाई नवीन से विवाद हो गया। आरोपित देख लेने की धमकी देकर वहां से चले गए।

आरोप है कि कुछ देर के बाद चांद और समीर ने अपने घर की छत से उनके घर पर पत्थरबाजी कर दी। जब पीड़ितों ने घर के बाहर आकर विरोध किया तो रफीक और उसके दोनों बेटों ने दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां दीपक के सिर में आठ टांके आए हैं। पीड़ितों का आरोप है कि पाक टीम की जीत के बाद से ही आरोपित जश्न मना रहे हैं, उनके विरोध जताने पर वह लगातार धमकियां दे रहे थे। पुलिस का कहना है ट्विटर पर कुछ वीडियो वायरल हो रही हैं, जिसमें इस मामले को सांप्रदायिक बनाया जा रहा है। जबकि ऐसा नहीं है।

लोग स्वदेशी पर दे रहे जोर, मिट्टी के दीये जलेंगे हर ओर

नई दिल्ली (एजेंसी) दीपावली में दीयों से घर जगमगाए, इसके लिए मिट्टी के दीयों से बेहतर कुछ भी नहीं। आधुनिकता के इस युग में भी मिट्टी के दीये की मांग कम नहीं हुई है। बरसों पुरानी चली आ रही परंपरा को निभाते हुए मिट्टी के कारीगर दीपोत्सव के लिए मिट्टी के दीये बनाने में जुटे हैं।

सुल्तानपुरी में मिट्टी के बर्तन व खिलौने बनाने वाले कारीगर राजेंद्र प्रजापति ने बताया कि करवाचौथ से पहले ही मिट्टी के दीयों को बनाना शुरू कर दिया था। उनके अनुसार इस बार दीपावली से पहले मिट्टी के कलश व दीपों की मांग में तेजी आई है। लोग इसके लिए आर्डर भी दे रहे हैं। आर्थिक नुकसान को लेकर कारीगरों का कहना है कि कोरोना के कारण काम बंद होने से खिलौने नहीं बना सके और नुकसान डोलना पड़ा। फिर भी वह अपनी परंपरागत पेशे से दूर नहीं होना चाहते।

सुल्तानपुरी में वर्षो से मिट्टी का करवा व बर्तन बनाने में जुटा सत्यवती देवी का परिवार भी इसी सोच के तहत काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि दीपों को बनाने के बाद उसे सुखाने और पकाने तक के कार्यों में पूरा परिवार जुटा रहता है। दूसरी ओर जहांगीरपुरी में रहने वाले मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगर राजेंद्र कुमार का कहना है कि स्वदेशी अपनाने पर जोर होने की वजह से लोग मिट्टी के सामान को ज्यादा खरीद रहे हैं। पिछले वर्ष भी बिक्री ठीक थी और इस बार भी व्यवसाय ठीक रहने की उम्मीद है।

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ केजरीवाल सरकार की लड़ाई में साथी बनेंगे युवा, सरकार ने लांच किया 'पर्यावरण साथी चैटबॉट

यूनिसेफ के सहयोग से चैटबॉट किया लांच, इससे लाखों युवा जुड़े हैं : गोपाल राय

पर्यावरण साथी चैटबॉट से जुड़ने के लिए 9650414141 वाट्सएप्प नंबर पर ॥द्व लिखकर भेजना होगा : गोपाल राय

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में सहभागी बनने के लिए चैटबॉट के माध्यम से युवाओं को सक्रिय किया जाएगा : गोपाल राय

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण के खिलाफ केजरीवाल सरकार की लड़ाई में अब युवा साथी बन कर सहयोग करेंगे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने युवाओं को अभियान से जोड़ने के लिए आज दिल्ली सचिवालय में 'पर्यावरण साथी चैटबॉट' लांच किया। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से चैटबॉट लांच गया है। इस चैटबाट से देश भर के 10 लाख युवा जुड़े हैं, जिसमें 50 हजार युवा दिल्ली के हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में सहभागी बनने के लिए चैटबॉट के माध्यम से युवाओं को सक्रिय किया जाएगा। इस चैटबाट से जुड़ने के लिए 9650414141 वाट्सएप नंबर पर ॥द्व लिखकर भेजना होगा। पर्यावरण साथी बन कर काम करने वाले युवाओं को नंबर दिए जाएंगे और सबसे अधिक नंबर पाने वाले 100 युवाओं सम्मानित किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय आज दिल्ली सचिवालय के वॉर रूम में 'पर्यावरण साथी चैटबॉट' को लांच किया। यह चैटबॉट यूनिसेफ एवं युवा के सहयोग से लांच किया गया। इस संबंध में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार की तरफ से दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ कई अभियान चल रहा है। हमने इस अभियान में दिल्ली सरकार के अलग-अलग विभागों, एमसीडी, डीडीए समेत सभी विभागों को एक साथ जोड़कर लड़ाई को आगे बढ़ाने का काम शुरू किया है।

इसके दूसरे चरण में दिल्ली में धूल प्रदूषण को रोकने के लिए सभी प्राइवेट निर्माण एजेंसियों भी इस मुहिम से जोड़ने की कोशिश की। तीसरे चरण में हमने दिल्ली के अंदर आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशंस और समाजिक संगठनों को भी इस मुहिम में जोड़ने के लिए अभियान तेज किया। आज इसी कड़ी में दिल्ली के युवा कैसे 'युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध' अभियान में सहयोगी और साथी बन सकते हैं, इसके लिए हम लोग यूनिसेफ की युवा टीम के साथ मिलकर 'पर्यावरण साथी चैटबॉट' लांच किया है। चैटबाट लांच करने का मकसद वाट्सएप से जुड़े युवाओं को, जो सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सक्रिय रहते हैं, उनको को भी प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में हिस्सेदार और साथी बनाना है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यूनिसेफ की युवा टीम ने पहले से ही अलग-अलग सोशल गतिविधियों के लिए इस चैटबॉट पर लगभग 10 लाख युवाओं को जोड़ा हुआ है। दिल्ली में रहने वाले करीब 50 हजार युवा इस चैटबाट से जुडे हुए हैं। उन युवाओं को कैसे इस प्रदूषण की लड़ाई में सहयोगी और साथी बनाने के लिए यह चैटबॉट लांच किया गया है। इस चैटबॉट से युवाओं के साथ वरिष्ठ व्यक्ति भी जुड़ सकते हैं।

इस चैटबाट से जुड़ने के लिए 9650414141 वाट्सएप नंबर पर ॥द्व लिखकर भेजना होगा और इसके बाद आप चैटबॉट से बातचीत करने के लिए जुड़ जाएंगे। दिल्ली प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार के स्तर पर हम काम कर रहे हैं। जिसमें एंटी डस्ट, रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ, पराली को गलाने के लिए बायो डि-कंपोजर के घोल का छिड़काव और 'पटाखे नहीं, दीया जलाएं' आदि कैंपेन शामिल हैं। लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के लोगों से जो अपील किया है कि चूंकि हम मिलकर प्रदूषण को पैदा करते हैं, जो हमें मिलकर इस प्रदूषण के खिलाफ लड़ना पड़ेगा। उसके लिए इस चैटबॉट के माध्यम से युवाओ को सक्रिय करेंगे। पर्यावरण साथी चैटबॉट दिल्ली सरकार व यूनिसेफ की युवा टीम के साथ साझेदारी से लांच किया गया है। - दिल्ली के लाखो युवा यूनिसेफ की युवा टीम के कार्यक्रमों से पहले से ही जुड़े हुए है और अब पर्यावरण साथी चैटबॉट के माध्यम से दिल्ली के 'युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध' में अपना योगदान दे सकेंगे। - चैटबॉट पर 9650414141 नंबर पर एक मैसेज भेज कर कोई भी दिल्ली का युवा चैटबॉट से बातचीत करने लगेगा। - चैटबॉट में युवाओं के लिए कई सारे टास्क निर्धारित है, जिनके सफल समापन पर युवाओं को पॉइंट्स दिए जाएंगे। - युवा ग्रीन दिल्ली एप्प डाउनलोड करे व प्रदूषण की शिकायत दर्ज करे।

- गाड़ी के बदले बस या मेट्रो से यात्रा करें और चैटबाट के जरिए हमें बताएं। - अपने आसपास के घरों मे डोर टू डोर कैम्पेन कर के लोगों को जागरूक करें और उन्हें समझाएं। - अपने आस पास नुक्कड़ नाटक या दीवारों पर पेंटिंग कर के लोगों को जागरूक करें। - युवाओं को उनकी गतिविधियों के लिए प्रमाण पत्र से भी सम्मानित किया जाएगा और साल के अंत मे जो 100 युवा सबसे ज्यादा पॉइंट्स लेकर आगे रहेंगे, उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

राकेश टिकैत से भिड़े हरियाणा के परिवहन मंत्री, भाजपा विधायक सीमा त्रिखा व सूरजपाल अम्मू से भी हुई तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)
तीन कृषि सुधार कानूनों के विरोध में किसान संगठनों के आंदोलन के खिलाफ अब भाजपा के साथ औद्योगिक संगठन भी मुखर हो रहे हैं। गत दिवस नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आंदोलन की अगुवाई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत से जहां भाजपा नेताओं ने तीखी बहस की।

औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी दिल्ली-हरियाणा सीमा पर बंद रास्ते खोलने का मुद्दा उठाया। इन्होंने आंदोलन के तरीके पर सवाल खड़े किए। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने राकेश टिकैत से सीधे कहा कि किसान खेत में काम कर रहे हैं और पहले की तरह एमएसपी पर मंडियों में अपनी फसल बेच रहे हैं। तीन कृषि सुधार कानूनों पर शीर्ष अदालत ने फिलहाल रोक लगाई हुई है। फिर ये आंदोलन क्यों किया जा रहा है, जिसमें सोनीपत और बहादुरगढ़ बार्डर 10 माह से बंद है। इन बार्डर के आसपास के उद्योग-व्यापार ठप हो गए हैं।

बस सेवा प्रभावित हो रही है। बंद रास्तों की वजह से आवागमन में लोगों को परेशानी हो रही है। हजारों लोग बेरोजगार हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आंदोलन करने का सबको अधिकार है मगर आंदोलन किसी ऐसे विषय पर होता है जिसको जनता का समर्थन हो। परिवहन मंत्री ने कहा कि दक्षिण हरियाणा के रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, फरीदाबाद, गुरुग्राम, पलवल, नूंह में कहीं आंदोलन नहीं है क्योंकि किसान अपने खेत में काम कर रहा है। परिवहन मंत्री के बाद फरीदाबाद के बड़खल क्षेत्र से भाजपा विधायक सीमा त्रिखा की किसान नेता राकेश टिकैत से और तीखी बहस हुई। सीमा ने टिकैत से कहा कि वह राजनीति करना चाहते हैं तो फिर चुनाव लड़ें। उन्होंने टिकैत से सवाल किया कि वह पश्चिम बंगाल चुनाव में क्या करने गए थे? टिकैत ने सीमा का उत्तर देते हुए कहा कि अब उत्तर प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं, वहां की जनता सरकार को जवाब देगी। सीमा ने जवाब दिया कि जनता ने पहले ही जवाब दिया हुआ है। तभी तो उन्हें चुनकर जनता ने अपनी सेवा के लिए भेजा हुआ है। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान बीआर भाटिया ने टिकैत से कहाकि किसान आंदोलन की दिशा ठीक नहीं है। सरकार किसान संगठनों को बातचीत के लिए आमंत्रित करती है तो किसान संगठन कहते हैं कि पहले तीन कानून रद करो। जब तीन कानून रद हो जाएंगे तो फिर सरकार बातचीत ही किस मुद्दे पर करेगी। इसलिए किसान संगठनों को बिना शर्त सरकार से बातचीत करनी चाहिए।

भाटिया ने कहा कि दिल्ली-हरियाणा सीमा पर बंद रास्तों से उद्योग व्यापार ही नहीं बल्कि आम लोग भी परेशान हैं। इसलिए पहले बंद रास्ते खुलने चाहिए। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू की भी इस दौरान राकेश टिकैत से तीखी बहस हुई। यह पहला अवसर था जब किसान नेता राकेश टिकैत के सामने भाजपा सहित औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात खुलकर रखी। टिकैत इस दौरान बंद रास्तों को खोलने संबंधी मुद्दे पर जवाब की बजाय अन्य मुद्दों पर अपनी बात रखते रहे। भाजपा नेताओं और औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधियों की टिकैत के साथ हुई तीखी बहस के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हो रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही इस बहस से अब वे भाजपा नेता सकते में हैं जो इस कार्यक्रम में मौजूद रहकर भी कुछ नहीं बोले।

मोहन गार्डन थाना पुलिस के हत्थे चढ़ा 18 वारदातों में लिप्त और छह थानों का कुख्यात चोर

ओपन सर्च

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस द्वारा ऑपरेशन वर्चस्व के तहत सक्रियता और पेट्रोलिंग गश्त बढ़ाते हुए क्षेत्र की सुरक्षा और आपराधिक वारदातों पर लगाम कसी है। इसी कड़ी में एक बार फिर मोहन गार्डन थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ तब लगी जब एक 18 से अधिक चोरी,सेंधमारी,वाहन चोरी की वारदातों में लिप्त रहे कुख्यात अपराधी सुमेश उर्फ़ विशाल उर्फ़ डेरू पुत्र मदन पाल निवासी रणहौला को सूचना और गश्त के आधार पर गिफ्तार किया। ज्ञात हो कि हाल के दिनों में मोहन गार्डन, बिंदापुर, डाबरी, उत्तम नगर, नजफगढ़ और छावला के क्षेत्र में चोरी और घर चोरी की एकाएक घटनाएं हुई हैं। उपर्युक्त चोरों द्वारा फैलाए गए आतंक के कारण कई लोग अपनी मेहनत की कमाई लूटनें से नहीं बचा सके। इसी को देखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त नजफगढ़ जितेंद्र पटेल के पर्यवेक्षण और राजेश मौर्य, थानाध्यक्ष मोहन गार्डन ने नेतृत्व में एएसआई मनोज,एएसआई ओमप्रकाश,कांस्टेबल संदीप ,कांस्टेबल अश्वनी की टीम ने सीसीटीवी फुटेज व घटना के आधार पर सुराग जुटाए और सघन जाँच करते हुए बीते सोमवार शाम लगभग 07:00 बजे राहुल चौक के पास मोटरसाइकिल नंबर डी.एल-4 एससीएस - 8413 पर एक व्यक्ति को रोका। पूछताछ व जांच में उसकी पहचान सुमेश ञ विशाल उर्फ डेरू पुत्र मदन पाल निवासी गली नंबर 11, खुशी राम कॉलोनी, विकास नगर, रणहौला आयु 22 वर्ष के रूप में हुई। ईएमवीटी नंबर 27416/21 डीटी के तहत मोटर साइकिल चोरी हुई पाई गई। आगे की पूछताछ में उसने घर में चोरी और चोरी के कई मामलों में संलिप्तता का खुलासा किया। उन्हें आगे की जांच के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया और आगामी सावधानीपूर्वक जांच में चोरी की नकदी की वसूली के साथ घर चोरी और चोरी के 16 और मामले मोहन गार्डन थाना पुलिस हल कर दिए।

आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भी की जा रही छठ को लेकर तैयारियां

नई दिल्ली (एजेंसी) आनंद विहार रेलवे स्टेशन से छठ पर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि आस्था का यह पर्व मनाने बिहार और उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में जाने वाले यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। स्टेशन परिसर में बड़ा पंडाल लगाकर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाया जा रहा है। इस पंडाल में कुर्सियां लगाई जाएंगी, जिन पर बैठ कर यात्री अपनी ट्रेन का इंतजार कर सकेंगे। करीब 400 यात्री एक बार में इसमें प्रतीक्षा कर सकेंगे। पंडाल में प्रवेश देते वक्त यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। उनके हाथों को सैनिटाइज कराया जाएगा। दो गज दूरी का पालन कराने के लिए रेलवे कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। हर साल की तरह इस बार भी आनंद विहार रेलवे स्टेशन से छठ स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। दिल्ली-एनसीआर से लोग इन ट्रेनों में सवार होने पहुंचेंगे। प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ को नियंत्रण में रख पाना रेलवे के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। इस कारण स्टेशन परिसर में बड़ा पंडाल लगाकर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाया जा रहा है। ताकि यात्री ट्रेन के इंतजार करते हुए इधर-उधर न भटकें। वे पंडाल के अंदर बैठ कर आराम से ट्रेन का इंतजार कर सकें। जिस ट्रेन के प्लेटफार्म पर लगने की घोषणा होगा, उसके यात्रियों को टिकट देख कर उसमें सवार होने के लिए भेजा जाएगा। यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। रेलवे स्टेशन की सभी लिफ्ट और स्वचालित सीढ़ियां चलती रहेंगी। यह सुनिश्चित करने का जिम्मा स्टेशन पर सुविधाओं का रखरखाव देख रही एजेंसी को सौंपा गया है। इसके अलावा बीमार, बुजुर्ग और दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। कोरोना टेस्टिंग केंद्र पहले से बना हुआ है, जहां जांच होती रहेंगी।

राजधानी में सामने आया ड्रग्स तस्करों के आतंक का हैरान करने वाला मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)
संगठित अपराध पर अंकुश लगाने की पुलिस आयुक्त की लाख चेतावनी के बावजूद राजधानी में ड्रग्स तस्करों के आतंक का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मामला जहांगीरपुरी थानाक्षेत्र का है। मंगलवार रात स्मैक बेचने को लेकर वर्चस्व के झगड़े में ड्रग्स तस्करों ने विरोधी खेमे के मुहम्मद साद को अकेला पाकर उस पर चाकू से पांच वार कर घायल कर दिया। तस्करों के चंगुल से खुद को छुड़ाकर मौके से भागने पर एक ने गोली भी चला दी, जो एक मकान की छत पर खड़े युवक के हाथ में लग गई। घायल दोनों लोगों को उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डाक्टरों के उनकी हालत खतरे से बाहर बताया है। गली में सरेआम हुई गुंडागर्दी ने दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति की पोल खोलकर रख दी है। जानकारी के मुताबिक मुहम्मद साद जहांगीरपुरी के सीडी पार्क झुग्गी में रहता है और काफी समय से बी व जी आदि ब्लाकों में स्मैक बेचने का धंधा करता है। ई

ब्लाक निवासी सुहैल व एच ब्लाक निवासी फिरोज का एक खेमा है। स्मैक बेचने के लिए इन्होंने अपने गिरोह में कई युवकों को शामिल कर रखा है। ये भी वहीं आसपास के इलाके में स्मैक बेचने का काम करता है। सुहैल व फिरोज चाहते हैं कि साद जहांगीर में स्मैक न बेचे। लेकिन उसने अपने धंधे को जारी रखा था। फिरोज किसी मामले में जेल में बंद था। 15 दिन पहले वह जमानत पर बाहर आया था। इसके बाद उसने साद को सबक सिखाने के लिए सुहैल के साथ साजिश रची। मंगलवार की रात दोनों ने अपने गिरोह के चार अन्य साथियों के साथ मिलकर साद को ढूंढना शुरू किया।

जी ब्लाक की संकरी गली में अचानक उन्हें साद मिल गया। जिस पर सभी छह तस्करों ने साद को घेर कर पिटाई शुरू कर दी। उसपर चाकू से पांच वार कर घायल कर दिया। घायल होने के बावजूद वह उनके चंगुल से छुड़ाकर मौके से भाग गया। भागने के दौरान एक ने गली में गोली चला दी। गोली एक मकान की छत पर खड़े होकर झांक रहे आकाश नाम के युवक के हाथ में लग गई। स्थानीय लोगों द्वारा शोर मचाने पर सभी मौके से भाग गए। पुलिस ने घायल साद व आकाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है। इस मामले में जहांगीर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर सुहैल, फिरोज व वारदात में शामिल अन्य की तलाश कर रही है। जहांगीरपुरी इलाके में संगठित अपराध के धंधे पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पिछले साल अगस्त में थाना पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 170 किलो गांजा बरामद किया था। पुलिसकर्मियों ने उक्त मामले में केवल 950 ग्राम की बरामदगी दिखा शेष गांजे को गायब कर दिया था। थाने के सीसीटीवी में कारनामे कैद हो गए थे। गांजे की हेराफेरी का मामला सामने आने पर पुलिस आयुक्त ने तत्कालीन थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार समेत दो सब इंस्पेक्टर सपन, शेखर व दो हवलदार कुलदीप व हरफूल को नौकरी से बर्खास्त कर दिया था।

सभी क्लास के लिए स्कूल खोलने को किस तरह से देखते हैं टीचर व अभिभावक

नई दिल्ली (एजेंसी)
राजधानी में एक नवंबर से पहली से आठवीं तक के स्कूल खोले जाने के फैसले का स्कूल संघ और सभी सरकारी और निजी स्कूलों के प्रधानाचार्यों और स्कूल संघ ने स्वागत किया है। प्रधानाचार्यो के मुताबिक लगभग 19 माह बाद स्कूलों में फिर से छात्र वापस दिखेंगे। लेकिन कोरोना के घटते संक्रमण के बावजूद सख्ती से कोरोना नियमों का पालन कराया जाएगा। बिना मास्क के स्कूल में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। एक्शन कमेटी आफ अनएडेड प्राइवेट स्कूल के सचिव भरत अरोड़ा ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि एक लंबे अंतराल के बाद पहली से आठवीं तक के स्कूल खुले हैं। बच्चे जितना स्कूल आने को उत्सुक है उतना ही स्कूल भी उनका स्वागत करने के लिए। स्कूल संघ के सभी पदाधिकारी भी यह सुनिश्चित करेंगे कि स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा के सभी मानदंडों का पालन किया जाए। वहीं, सादिक नगर स्थित इंडियन स्कूल की प्रधानाचार्या तानिया जोशी ने कहा कि स्कूल खुलने की घोषणा के बाद अब अभिभावकों

से अनुमति ली जाएगी। इसके साथ ही उनकी काउंसलिंग भी की जाएगी। सुनिश्चित किया जाएगा कि स्कूल में छात्र शारीरिक दूरी का पालन करें। अभिभावकों से मिली अनुमति के आधार पर ही छात्रों के ग्रुप बनाए जाएंगे और 50 फीसद क्षमता के साथ छात्रों को स्कूल बुलाया जाएगा। वहीं, रोहिणी स्थित माउंट आबू स्कूल की प्रधानाचार्या ज्योति अरोड़ा ने भी फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि अभी स्कूल खुलने में थोड़ा समय है तब तक अभिभावकों से अनुमति पत्र भरवाया जाएगा। फिर ही छात्रों को स्कूल बुलाया जाएगा। वहीं, आइपी एक्सटेंशन स्थित नेशनल विक्टर पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या वीना मिश्र ने बताया कि दीवाली की छुट्टियों के चलते पहली से आठवीं तक के स्कूल 15 नवंबर के आसपास खोले जाएंगे। इसके पहले स्कूल की तरफ से सभी अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने की अनुमति ली जाएगी। वहीं, स्कूल के वाहन चलाए जाएंगे या नहीं ये भी अनुमति मिलने वाले छात्रों की संख्या पर ही निर्भर करेगा। मयूर विहार स्थित एवरग्रीन पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या प्रियंका गुलाटी ने कहा कि छात्रों को लगभग 15 नवंबर के बाद से ही स्कूल बुलाया जाएगा। तब तक स्कूल को भी कोरोना महामारी से बचाव को लेकर सभी तैयारियों का इंतजाम सुनिश्चित करने का समय मिल जाएगा। दिल्ली अभिभावक संघ की अध्यक्ष अपराजिता गौतम ने कहा कि विदेशों में कोरोना के नए वैरिएंट के मामले बढ़ रहे हैं, इस स्थिति में अभिभावकों के मन में दिल्ली सरकार के त्योहार के पहले स्कूल खोलने के निर्णय को लेकर नाराजगी है। सरकार को अभी कुछ दिन और इंतजार करना चाहिए था।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

सड़कों पर न पटाखें चलें न हो घेरकर नमाज

आमिर खान ने सीएट कंपनी का एक विज्ञापन किया है और उसमें दीपावली पर सड़कों की जगह सोसायटी में आतिशबाजी की बात कही है। आमिर के इस विज्ञापन पर सोशल मीडिया पर मिली-जुली बहस शुरू हो चुकी है। एक ओर जहां इसे हिन्दुओं की भावनाओं पर टीका टिप्पणी बताया जा रहा है वहीं अनेक लोग इसे बाधारहित आवागमन के लिए एक प्रेरक संदेश बता रहे हैं। इस संबंध में आरोप-प्रत्यारोप शुरू होने के बाद यह जरूरी हो जाता है कि हम जानें- समझें कि क्या प्रेरक संदेश देने वाले ये अभिनेता स्वतंत्र दृष्टि रखते हैं और हर हाल में आम नागरिकों की सुविधा असुविधा पर बोलते हैं अथवा टीका-टिप्पणियों और नसीहत देने के मामले में इनका एजेंडा इकतरफा है। चलिए तो बात आमिर खान के विज्ञापन की चली है तो शुरुआत उन्हीं से की जाए।

आमिर खान ने सत्यमेव जयते नामक कार्यक्रम के जरिए भी देश, समाज और आम लोगों को कई प्रेरणा और नसीहतें दी थीं। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की बात कही थी और उनकी पीड़ाओं को सुनकर वे भावुक भी हुए थे। निश्चित ही आमिर खान ने महिलाओं और बच्चों की समस्याओं को लेकर जो मुद्दे उठाए हैं उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। हमारा संविधान भी कहता है कि महिलाओं और बच्चों को शोषण और अपराधियों से बचाने उनका संरक्षण होना चाहिए और उनके बराबरी पर आने के लिए अधिक मौके मिलना चाहिए। आमिर के कार्यक्रम सत्यमेव जयते के ईमानदार प्रयासों की प्रशंसा करते हुए एक सवाल खड़ा होता है कि क्या प्रेरणास्पद बातें करने वाले आमिर खान खुद भी कुछ ऐसा कर रहे हैं। वे निजी तौर पर बच्चों और महिलाओं के लिए क्या कर रहे हैं। वे खुद अपनी पत्नी और बच्चों को कितना संरक्षण और प्रोत्साहन दे रहे हैं।

> आमिर खान ने सत्यमेव जयते नामक कार्यक्रम के जरिए भी देश, समाज और आम लोगों को कई प्रेरणा और नसीहतें दी थीं। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की बात कही थी और उनकी पीड़ाओं को सुनकर वे भावुक भी हुए थे। निश्चित ही आमिर खान ने महिलाओं और बच्चों की समस्याओं को लेकर जो मुद्दे उठाए हैं उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। हमारा संविधान भी कहता है कि महिलाओं और बच्चों को शोषण और अपराधियों से बचाने उनका संरक्षण होना चाहिए और उनके बराबरी पर आने के लिए अधिक मौके मिलना चाहिए।

वस्तुतः बात जब घर तक आई तो आमिर इस मामले में खोखले साबित हुए हैं। मुस्लिम होने के नाते उन्हें विधिक रूप से भले ही बार-बार विवाह की अनुमति मिल गई हो मगर सामाजिक रूप से पत्नी और बच्चों के प्रति संवेदनशीलता से आमिर के व्यक्तित्व को परखना होगा। कॉलेज में जिस रीमा ने उनके प्रेम में अपने हिन्दू धर्म को त्याग दिया था उन्हीं रीमा और उनके दो बच्चों के प्रति आमिर आजीवन प्रेम नहीं रख पाए। युवावस्था ढलते ही आमिर खान ने रीमा खान से तलाक लेकर एक झटके में उन्हें और उनके बच्चों को अपने जीवन से निकाल दिया। क्या आमिर खान का ये कदम महिलाओं और बच्चों के संरक्षण के लिए क्रांतिकारी कदम कहा जाएगा ? खैर छोड़िए आगे बढ़िए। रीमा को छोड़कर अपने से कई साल छोटी किरण राव का भी धर्म परिवर्तन कराकर उन्होंने उनसे दूसरा विवाह किया। ये संबंध भी कुछ साल बाद कमजोर होता चला गया। किरण से आमिर के एक बेटा आजाद भी हुआ। कुछ माह पहले आमिर ने किरण राव और आजाद खान को भी अपने साथ पारिवारिक जीवन से आजाद कर दिया।

क्या महिलाओं और बच्चों के हित में आमिर खान के इस कदम की प्रशंसा की जाए। तो देखा आपने, दुनिया को नसीहत देने वाले आमिर खान ने असल जिंदगी में महिलाओं और बच्चों के प्रति बहुत ही गैर जिम्मेदारी और असंवेदनशील जीवन जिया है। बार बार विवाह करना और बच्चे पैदा करके उन्हें तलाक लेकर छोड़ने को कौन-सा प्रेरक कदम माना जाए। आज सड़कों पर पटाखे चलाने को गलत बताने वाले आमिर खान इसी तरह की कई अन्य चीजों को गलत बताने में क्यों कतराते हैं। निश्चित ही लोगों का सड़कों पर आतिशबाजी करना गलत है एवं इसे भारत में हर कोई गलत ही बताता है मगर सड़कों को जाम करके उन पर घंटों नमाज पढ़ना क्यों आज तक गलत नहीं कहा जा रहा है। आमिर खान जैसे लोग अपनी ब्रांड इमेज के जरिए सड़कों पर नमाज से होने वाली असुविधा पर वार क्यों नहीं करते। यहां आकर आमिर खान का मुंह क्यों बंद रह जाता है। देश में करोड़ों लोग सड़कों पर विभिन्न जरूरी कामों से आवागमन करते हैं। ऐसे में हर शुक्रवार को देश के कई शहर जुमा नमाज के समय भारी जाम का सामना करते हैं। बाकी दिन भी नमाज के कारण रास्ता बंद होने से लोगों को परेशानी होती है। आपकी आस्था का सम्मान है मगर आपके धार्मिक क्रियाकलाप सार्वजनिक सड़कों पर किए जाने से लोग परेशान होते हैं। एम्बुलेंस आगे न बढ़ पाने के कारण कई सांसें सड़क पर ही थम जाती हैं।

श्री केदारनाथ-बद्रीनाथ यात्रा का संस्मरण

गौरव पांडेय

सच ही कहा जाता है कि जब तक बाबा किसी को बुलाते नहीं, तब तक वह बाबा के द्वार तक पहुंच सकता नहीं। विगत कुछ दिनों पहले उत्तराखंड के चार धामों में एक श्री केदारनाथ धाम में भारी वर्षा एवं श्री बद्रीनाथ धाम के रास्ते में लैंडस्लाइड होने की वजह से रास्ता बंद होने की खबरें सबने पढ़ी व सुनी होंगी। जिसके चलते बहुत से लोग तीर्थ यात्रा से वापस कर दिए गए और वो बाबा के दर्शन नहीं कर सके। दैव योग वश हमारी यात्रा का कार्यक्रम भी उसी अंतराल में था, और हमने भी समाचार सुनकर जाने का कार्यक्रम लगभग स्थगित कर दिया था।

ऐसे बना यात्रा संयोग और बाबा श्री केदारनाथ के दर्शन पूजन से खिल गया मन कमल

लेकिन बाबा के आशीर्वाद से वर्षा रुक गई और जिस दिन हमें जाना था ठीक उसके एक दिन पहले दोपहर 2ः00 बजे तक श्री बद्रीनाथ धाम के रास्ते भी साफ हो गए। इसलिए हमने भी अपने कार्यक्रम को पुनः व्यवस्थित करते हुए 22 अक्टूबर 2021 को अपनी यात्रा इंदिरापुरम, गाजियाबाद से प्रारंभ की और रात्रि में हम हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग होते हुए गुप्तकाशी पहुंचे। गुप्तकाशी में ही रात्रि विश्राम करने के पश्चात प्रातः हेलीकॉप्टर के माध्यम से बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए चले गए। इसे संयोग ही कहिए कि भारी वर्षा एवं रास्तों के बंद होने की सूचना फैलने की वजह से ज्यादा भीड़ नहीं थी। अतः हम आसानी से हेलीकॉप्टर ले सके, और मौसम भी खुला हुआ था; जिस वजह से हम प्रातः ही श्री केदारनाथ मंदिर के प्रांगण में पहुंच कर बाबा श्री केदारनाथ के परम पावन दर्शन पूजन कर सके। इससे मन कमल खिल गया।

बाबा भैरव नाथ के दर्शन से बढ़ गई जीवन शक्ति, झेल पाए ठंड

बाबा श्री केदारनाथ के दर्शन के बाद हम बाबा भैरव नाथ के दर्शन करने गए, जहां काफी हिमपात हुआ, जिससे ठंड बहुत बढ़ गई। किंतु बाबा द्वारा दी गई शक्ति की वजह से हम वहां रह पाए और सांध्य कालीन आरती का भरपूर सत चित्त आनंद ले पाए। हमने वहां बाबा के दरबार में जी भर कर पूजा अर्चना की और अपने पूरे परिवार, मित्र जनों एवं संपूर्ण विश्व की सुख-शांति के लिए बाबा से आशीर्वाद मांगा। चूंकि अगले दिन सुबह बारिश की संभावना थी, इसलिए हम सुबह ही हेलीकॉप्टर के माध्यम से वापस गुप्तकाशी आ गए और वहां से हमारी श्री बद्रीनाथ यात्रा की शुरुआत हुई।

मां काली मठ के मंदिर में तवे की रोटी और पहाड़ी साग का स्वाद निराला

श्री बद्रीनाथ धाम की ओर कुछ दूर चलने के बाद हम काली मठ जो कि एक शक्तिपीठ है, वहां पहुंचकर हमने मां दुर्गा देवी की उपासना की और मंदिर प्रांगण में सविधि पूजन किया। पूजन के पश्चात हमने मंदिर प्रांगण में ही तवे की रोटी और पहाड़ी साग का आनंद लिया। कालीमठ में मां का आशीर्वाद लेने के बाद हमने उखीमठ की ओर रुख किया। उखीमठ वही स्थान है जहां शीतकाल में बाबा श्री केदारनाथ डोली से आते हैं और यहीं विराजते हैं।

उखीमठ की पौराणिकता से हुए अवगत, भगवान ओंकारेश्वर की पूजा-अर्चना की

परम्परा के मुताबिक जब श्री केदारनाथ में बर्फबारी प्रारंभ हो जाती है तो शीतकाल में भगवान जी को उखीमठ में ही लाया जाता है, जहां छह महीने उनकी पूजा-अर्चना होती है। इसलिए उखीमठ में भी हमने विधिवत पूजा अर्चना की और पंच केदारेश्वर के दर्शन किए। उखीमठ के पुजारी जी ने ही हमें बताया कि जो लोग पंच केदारेश्वर के दर्शन नहीं कर पाते और उखीमठ में दर्शन के लिए आते हैं, उनको पांच केदारेश्वर के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो जाता है। बता दें कि उषा (बाणासुर की बेटी) और अनिरुद्ध (भगवान कृष्ण के पौत्र) की शादी यहीं सम्पन्न हुई थी। उषा के नाम से ही इस जगह का नाम उखीमठ पड़ा। उखीमठ में दक्षिण भारत के कर्नाटक प्रदेश के लिंगायत संतों रावल के प्रमुख गुरु का केंद्र गद्दी भी है। सर्दियों के दौरान भगवान केदारनाथ की उत्सव डोली को इस जगह के लिए केदारनाथ से लाया जाता है। भगवान श्री केदारनाथ की शीतकालीन पूजा और पूरे साल भगवान ओंकारेश्वर की पूजा यहीं की जाती है।

काफी चौड़ी और सुगम्य है बाबा बद्रीनाथ सड़क

उखीमठ से हम प्रस्थान कर बद्रीनाथ की ओर बढ़े और रास्ते में कई जगह हमें लैंडस्लाइड के स्थान दिखाई पड़े। किंतु उन्हें प्रशासन द्वारा पूरी तरह से साफ कर दिया गया था और यातायात सुचारू रूप से चल रहा था। सड़कें सामान्यतः हमें बहुत ही अच्छी हालत में मिलीं और ज्यादातर सड़क पर दोनों तरफ से वाहन आ जा रहे थे।वाहनों के लिए सड़क काफी चौड़ी और सुगम्य प्रतीत हो रही थी जिससे हमें ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। रात्रि में हम जब बद्रीनाथ पहुंचे तो, वहां पहुंचते ही बाबा बद्रीनाथ के मंदिर की तरफ रुख किया और दर्शन प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर प्रातः कालीन दर्शन के लिए अपना कार्यक्रम सुनिश्चित किया।

तप्त कुंड में पुण्य स्नान के पश्चात हुआ अलौकिक अनुभव

बाबा बद्रीनाथ धाम में प्रातः सबसे पहले प्राकृतिक रूप से गंधक से बने तप्त कुंड, जिसे गर्म पानी का स्रोत भी कहते हैं, वहां पर स्नान किया। जिसमें मुख्य रुप से यह ध्यान रखा कि सीधे गर्म पानी में प्रवेश नहीं किया जाए, क्योंकि वहां का तापमान बहुत ही कम था। ऐसे में सीधे गर्म पानी में प्रवेश कर जाना खतरनाक हो सकता है। इसलिए सबसे पहले अपने पांव को उस गर्म पानी में डाला। ततपश्चात धीरे-धीरे घुटनों तक और फिर कमर तक प्रवेश किये। पुनः धीरे-धीरे समय देकर पूर्ण रूप से अपने को उस तप्त कुंड में पुण्य स्नान के लिए उतारा। इस तप्त कुंड में स्नान के बाद बहुत ही अलौकिक अनुभव हुआ। ऐसा लगा कि मानो ठंड भाग गई हो शरीर से।

अद्भुत है बाबा बद्री विशाल भगवान का श्रृंगार पूजन और महाआरती

उसके बाद पूरी उर्जा से सुबह 6ः15 बजे भगवान बद्री विशाल के दर्शन पूजन के लिए हम मंदिर में गए और भगवान का श्रृंगार पूजन और आरती देखी, जो अनुपम और अलौकिक था। ऐसा माना जाता है कि बद्रीनाथ से ही स्वर्ग का रास्ता प्रारंभ हो जाता है, और यह ऐसा धाम है जहां दर्शन के बाद मोक्ष और सद्गति की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार, बद्रीनाथ में 3 किलोमीटर के क्षेत्र में ब्रह्म कपाल, जिसे ब्रह्मा जी का पांचवा सर माना गया है, वह गिरा था और वहां पितृ तर्पण और पिंड दान के बाद पितरों को मोक्ष प्राप्त होता है। यहां सर्वश्रेष्ठ और उच्चतम पितृ तर्पण और पिंडदान होता है।

हिमालय की श्रेणियों से घिरा हुआ है कार्तिक स्वामी मंदिर

श्री बद्रीनाथ जी के दर्शन करने के बाद हम जोशीमठ होते हुए पोखरी से 15 किलोमीटर दूर स्थित कार्तिक स्वामी के दर्शन करने गए। इसमें 3 किलोमीटर की चढ़ाई है और यह बहुत ही उचित चोटी पर स्थित है। वहां लगे शिलापट के अनुसार, कार्तिक स्वामी, रुद्रप्रयाग जिले के पवित्र पर्यटक स्थलों में से एक है। रुद्रप्रयाग शहर से 38 किमी की दूरी पर स्थित इस जगह पर भगवान शिव के पुत्र, भगवान कार्तिकेय को समर्पित एक मंदिर है, जो समुद्र की सतह से 3048 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।

जननायकों के स्मरण से दूर 'स्वर्णिम हिमाचल'

राजेंद्र राजन

> **निश्चित रूप से हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रांत के लिए यह गर्व का विषय है कि 1948 में अस्तित्व में आने के बाद यह प्रांत करीब 23 साल तक पूरे राज्य के दर्जे के लिए संघर्षरत रहा। इन 50 सालों में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में हिमाचल ने जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं, उनका यशोगान वर्तमान सरकार का एक ऐसा महत्त्वपूर्ण एजेंडा है जो अपने सर्वथा नेक इरादों के दरम्यान नए विमर्श व नए मंथन की खिड़कियां खोलता है।**

हिमाचल प्रदेश ने पूर्ण राज्यत्व के 50 वर्ष 25 जनवरी 2021 को पूरे किए। दूसरी ओर स्वाधीनता के बाद 75वें वर्ष में प्रवेश पर भारत सरकार ने आजादी को अमृत महोत्सव के रूप में साल भर मनाने का निर्णय लिया। यह महोत्सव 15 अगस्त 2021 को शुरू हुआ है। निश्चित रूप से हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रांत के लिए यह गर्व का विषय है कि 1948 में अस्तित्व में आने के बाद यह प्रांत करीब 23 साल तक पूरे राज्य के दर्जे के लिए संघर्षरत रहा। इन 50 सालों में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में हिमाचल ने जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं, उनका यशोगान वर्तमान सरकार का एक ऐसा महत्त्वपूर्ण एजेंडा है जो अपने सर्वथा नेक इरादों के दरम्यान नए विमर्श व नए मंथन की खिड़कियां खोलता है।

स्वर्णिम हिमाचल के प्रचार-प्रसार के लिए सरकार ने करोड़ों का खजाना खोला है। यानी जिस प्रकार धर्मशाला में कुछ साल पहले इन्वेस्टर्स मीट के नाम पर 'मैगा शो' के लिए 8-10 करोड़ रुपए जाया किए गए, उसी तर्ज पर 'स्वर्णिम हिमाचल' की सैलिब्रेशन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मौजूदा भाजपा सरकार कमर कसे हुए है और इस काम के लिए बजट की कोई कमी प्रतीत नहीं होती। राजनीतिक विश्लेषक इस कवायद को इस नजरिए से भी देख रहे हैं कि 2022 में हिमाचल में विधानसभा चुनाव हैं और स्वर्णिम हिमाचल के रथ पर सवार होकर शायद 1985 के बाद भाजपा पुनः सत्ता पर काबिज होने का ख्वाब देख रही है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन जो सरकर 60 हजार करोड़ से अधिक कर्ज के बोझ तले दबी हो, वहां फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने की बजाय राजकोष को या फिर टैक्स अदा करने वाले जनमानस के पैसे की फ़िज़ूलखर्ची को भला कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है?

हिमाचल सरकार ने स्वर्णिम हिमाचल नाम से एक कॉफी टेबुल बुक प्रकाशित की है जो विकास के आंकड़ों से भरपूर है। इसमें अतिविशिष्ट व विशिष्ट व्यक्तियों के संदेशों की भरमार है तो शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कें, कृषि, बागबानी आदि सहित 1971 के बाद हुए करीब सभी इदारों में विकास का शानदार ब्यौरा है। छायाचित्र ऐसे कि देखते ही आपका दिल खुश हो जाए। परमवीर चक्र सहित उन सेना के अफसरों या जवानों का भी जिक्र है जिन्होंने सीमा पर विभिन्न युद्धों में वीरता मैडल प्राप्त कर हिमाचल को गौरवान्वित किया है। यह अध्याय इस बड़ी सी पुस्तक का अपवाद है जिसे दो-तीन पृष्ठों में समेटा गया है। आलोचना इस बात को लेकर हो रही है कि 3,700 रुपए की एक प्रति कीमत के हिसाब से 1000 प्रतियों की कीमत 37 लाख बनती है, जिसे राजनेताओं, अधिकारियों, मीडिया व अन्य विशिष्ट व्यक्तियों में मुफ्त बांटा गया है। इस कॉफी टेबुल बुक के कंटेंट को लेकर मतभेद व असंतोष का मुद्दा यह है कि इसमें गत 74 सालों में सत्तासीन रहे मुख्यमंत्रियों का भरपूर गुणगान व महिमा मंडन है और हिमाचल के वास्तविक हीरो या जननायकों का उल्लेख गायब है।

हिमाचल के सर्वोच्च जननायक डॉ. यशवंत सिंह परमार पर भी पासिंग रैफ्रेंस के रूप में एक लेख है जिसमें कहा गया है कि जब 2 मई 1981 को उनका निधन हुआ था तो उनका बैंक बैलेंस मात्र 563 रुपए था। इससे जाहिर होता है कि डॉ. परमार ईमानदार राजनेता थे जिन्होंने सही मायने में हिमाचल के निर्माण की आधाररिशला रखी। अगर हिमाचल को 1971 में पूरे राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ तो इसकी पृष्ठभूमि में डॉ. यशवंत सिंह परमार व उनकी पार्टी के जनप्रतिनिधियों की लंबी व प्रेरक संघर्ष गाथा है जिसके तहत 1948 के पश्चात संसाधनों के अभाव में सड़कों, पुलों का निर्माण हुआ, शिक्षा संस्थान खुले, अस्पताल बने व पनविद्युत परियोजनाओं का आरंभ हुआ। बागबानी व कृषि के क्षेत्र में डॉ. परमार का सर्वोपरि योगदान रहा। वे पैदल भ्रमण करते थे व जनसमस्याओं का निपटारा लोगों के घर-द्वार पर भी करते थे। लेकिन 25 जनवरी से लेकर यानी जब से 'स्वर्णिम हिमाचल' का बिगुल बजा है, सरकार ने तब से अपने जननायकों को विस्मृत सा कर रखा है। प्रश्न यह है कि क्या गत 50 साल में सत्तासीन रहे मुख्यमंत्री या विधानसभा स्पीकर ही हमारे वास्तविक जननायक हैं? सरकार की इस कवायद से यह संदेश जा रहा है कि 1971 से पूर्व हिमाचल में कोई खास विकास नहीं हुआ या फिर विकास को भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान के सालों में ही पंख लगे? ऐसे प्रयास जनता को दिग्भ्रमित कर सकते हैं, लेकिन आजादी के अमृत महोत्सव और स्वर्णिम हिमाचल की चकाचौंध में उन महान जननायकों का स्मरण भी आवश्यक है जिन्होंने अपनी प्रतिभा, शौर्य, प्रेरक व्यक्तित्व, कृतित्व व अपने-अपने क्षेत्रों में अविस्मरणीय व बहुमूल्य योगदान के बल पर हिमाचल का देश-विदेश में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में छवि निर्माण किया। स्वर्णिम हिमाचल के इस मौजूदा साल में शायद किसी भी नेता ने सिरमौर की किंकरी देवी का जिक्र तक नहीं किया, जो भूखे-प्यासे रहकर सालों-साल सिरमौर में खनन माफिया के विरुद्ध जंग लड़ती रही और कामयाब भी हुई। बजरीर राम सिंह पठानिया, कैप्टन राम सिंह ठाकुर-जन-गण-धुन के जनक, कैप्टन दल बहादुर थापा, मेजल दुर्गामल के नामों का जिक्र भी नहीं है।

अनुपम खेर, प्रीति जिंटा, कंगना रणौत, प्रेम चोपड़ा, राजेंद्र कृष्ण, मोहित चौहान, यामिनी गौतम, बीआर इशारा, सिद्धार्थ चौहान, रूबीना डिलैक, दिलीप सिंह राणा द ग्रेट खली आदि तो शायद सरकार के रिकार्ड में जननायकों की सूची में शामिल ही नहीं हैं। आजादी के अमृत महोत्सव और स्वर्णिम हिमाचल के तथाकथित शोरगुल ने हिमाचल में आजादी के परवानों को नजर-अंदाज सा कर दिया है। डॉ. परमार के अलावा पदमदेव, वैद्य सूरत सिंह, शिवानंद रमोल, परमानंद, सत्यदेव, सदा राम चंदेल, दौलत राम ठाकुर, हजारा सिंह, पहाड़ी गांधी बाबा कांशी राम, कामरेड अमीं चंद, इंद्रपाल आदि सभी स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का मान-सम्मान सरकार उनके घर-द्वार जाकर कर पाए तो यह स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता व सम्मान का परिचायक होगा। कला, साहित्य, संस्कृति का क्षेत्र सरकार व राजनीतिक दलों के लिए हमेशा ही उपेक्षा से भरपूर रहा है।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सवः बैगा और माड़िया जनजाति के प्रमुख लोक नृत्य का उत्सव

ललित चतुर्वेदी

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, लोक गीत, नृत्य और संपूर्ण कलाओं से देश-विदेश परिचित होगा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में यह आयोजन 28 से 30 अक्टूबर तक किया जा रहा है। राजधानी का साइंस कॉलेज मैदान आयोजन के लिए सज-धज कर तैयार हो चुका है। इस महोत्सव में विभिन्न राज्यों के आदिवासी लोक नर्तक दल के अलावा देश-विदेश के नर्तक दल भी अपनी प्रस्तुति देंगे। छत्तीसगढ़ राज्य की 5 विशेष पिछड़ी जनजातियों में से एक बैगा जनजाति है।

राज्य के कबीरधाम, मुंगेली, राजनांदगांव, बिलासपुर और कोरिया जिले में निवासरत है। बैगा जनजाति अपने ईष्ट देव की स्तुति, तीज-त्यौहार, उत्सव एवं मनोरंजन की दृष्टि से विभिन्न लोकगीत एवं नृत्य का गायन समूह में करते हैं। इनके लोकगीत और नृत्य में करमा, रीना-सैला, ददरिया, बिहाव, फाग आदि प्रमुख हैं। इसी प्रकार दण्डामी माड़िया जनजाति गोंड जनजाति की उपजाति है। सर डब्ल्यू. वी. ग्रिगसन ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'द माड़िया जनजाति के सदस्यों द्वारा नृत्य के दौरान पहने जाने वाले गौर सींग मुकुट के आधार पर 'बायसन हार्न माड़िया' जनजाति नाम दिया। प्रसिद्ध मानव वैज्ञानिक वेरियर एल्विन का ग्रंथ 'द माड़िया-मर्डर एंड सुसाइड' (1941) दण्डामी माड़िया जनजाति पर आधारित है। बैगा और माड़िया जनजाति के रस्मों-रिवाजों पर आधारित प्रमुख लोक नृत्य इस प्रकार हैं। बैगा जनजाति का प्रकृति एवं वनों से निकट संबंध है। जिसका बखान इनके लोक संस्कृति में व्यापक रूप से देखने को मिलता है। बैगा जनजाति की माताएं, महिलाएं अपने प्रेम एवं वात्सल्य से देवी-देवताओं और अपनी संस्कृति का गुणगान गायन के माध्यम से उनमें गीत एवं नृत्य से बच्चों को परिचित करने का प्रयास करती है। साथ ही बैगा माताएं अपने छोटे शिशु को सिखाने एवं वात्सल्य के रूप में रीना का गायन करती हैं। महिलाएं सफेद रंग की साड़ी धारण करती हैं। गले में सुता-माला, कान में ढार, बांह में नागमोरी, हाथ में चूड़ी, पैर में कांसे का चूड़ा एवं ककनी, बनुरिया से श्रृंगार करती हैं। वाद्य यंत्रों में ढोल, टीमकी, बांसुरी, ठीसकी, पैजना आदि का प्रयोग किया जाता है।

सैला बैगा जनजाति के पुरुषों के द्वारा सैला नृत्य शैला ईष्ट देव एवं पूर्वज देव जैसे-करमदेव, ग्राम देव, ठाकुर देव, धरती माता तथा कुल देव नांगा बैगा, बैगीन को सुमिरन कर अपने फसलों के पक जाने पर धन्यवाद स्वरूप अपने परिवार के सुख-समृद्धि की स्थिति का एक-दूसरे को शैला गीत एवं नृत्य के माध्यम से बताने का प्रयास किया जाता है। पुरुष धोती, कुरता, जॉकेट, पगड़ी, पैर में पैजना, गले में रंगबिरंगी सूता माला धारण करते हैं। वाद्य यंत्रों में मांदर, ढोल, टीमकी, बांसुरी, पैजना आदि का प्रमुख रूप से उपयोग करते हैं। बोली बैगा जनजाति द्वारा रीना एवं शैला का गायन स्वयं की बैगानी बोली में किया जाता है। यह नृत्य प्रायः क्वार से कार्तिक माह के बीच मनाए जाने वाले उत्सवों, त्यौहारों में किया जाता है। बैगा जनजाति समुदाय द्वारा करमा नृत्य भादो पुन्नी से माघी पुन्नी के समय किया जाता है। इस समुदाय के पुरुष सदस्य अन्य ग्रामों में जाकर करमा नृत्य के लिए ग्राम के सदस्यों को आवाहन करते हैं। जिसके प्रतिउत्तर में उस ग्राम की महिलाएं श्रृंगार कर आती हैं। इसके बाद प्रश्नोत्तरी के रूप में करमा गायन एवं नृत्य किया जाता है। इसी प्रकार अन्य ग्राम से आमंत्रण आने पर भी बैगा स्त्री-पुरुष के दल द्वारा करमा किया जाता है। करमा रात्रि के समय ग्राम में एक निर्धारित खुला स्थान जिस खरना कहा जाता है, जहां अलाव जलाकर सभी आयु के स्त्री, पुरुष एवं बच्चे नृत्य करते हैं। अपने सुख-दुःख को एक-दूसरे को प्रश्न एवं उत्तर के रूप में गीत एवं नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं।

करमा नृत्य के माध्यम से बैगा जनजाति में परस्पर सामन्जस्य, सुख-दुःख के लेन देन के साथ ही नव युवक-युवतियां भी आपस में परिचय प्राप्त करते हैं। इस नृत्य में महिला सदस्यों द्वारा विशेष श्रृंगार किया जाता है। जिसमें यह चरखाना (खादी) का प्रायः लाल एवं सफेद रंग का लुगड़ा, लाल रंग की ब्लाउज, सिर पर मोर पंख की कलगी, कानों में ढार, गले में सुता-माला, बांह में नागमोरी, कलाई में रंगीन चूड़िया एवं पैरों में पाजनी और विशेष रूप से सिर के बाल से कमर के नीचे तक बीरन घास की बनी लड़ियां धारण करती हैं, जिससे इनका सौंदर्य एवं श्रृंगार देखते ही बनता है। पुरुष वर्ग भी श्रृंगार के रूप में सफेद रंग की धोती, कुरता, काले रंग की कोट, जाकेट, सिर पर मोर पंख लगी पगड़ी और गले में आवश्यकतानुसार माला धारण करते हैं। वाद्य यंत्रों में मांदर, टिमकी, ढोल, बांसुरी, ठिचकी, पैजना आदि का उपयोग किया जाता है। दण्डामी माड़िया जनजाति नृत्य के दौरान पहने जाने वाले गौर सींग मुकुट, बस्तर, दशहरा के अंतिम दिनों में चलने वाले विशालकाय काष्ठ रथ को खींचने का विशेषाधिकार और स्वभाव के लिए प्रसिद्ध है। इस नृत्य में दण्डामी माड़िया पुरुष सिर पर कपड़े की पगड़ी या साफा, मोती, माला, कुर्ता या शर्ट, धोती एवं काले रंग का हाफ कोट धारण करते हैं। वहीं महिलाएं साड़ी, ब्लाउज, माथे पर कौड़िया से युक्त पट्टा, गले में विभिन्न प्रकार की माला और गले, कलाई, पैरों पर बाजार में मिलने वाले सामान्य आभूषण पहनती हैं।

करसाड़ नृत्य के लिए पुरुष सदस्य अपने गले में लटका कर ढोल एवं मांदर का प्रयोग करते हैं। महिलाएं लोहे के रॉड के ऊपरी सिरे में लोहे की विशिष्ट घंटियों से युक्त 'गुजिड़' नामक का प्रयोग करती हैं। एक पुरुष सदस्य सीटी का प्रयोग करता है, नृत्य के दौरान सीटी की आवाज से ही नर्तक स्टेप बदलते हैं। नृत्य के प्रदर्शन का अवसर दण्डामी माड़िया जनजाति में करसाड़ नृत्य वार्षिक करसाड़ जात्रा के दौरान धार्मिक उत्सव में करते हैं। करसाड़ दण्डामी माड़िया जनजाति का प्रमुख त्यौहार है। करसाड़ के दिन सभी आमंत्रित देवी-देवाताओं की पूजा की जाती है और पुजारी, सिरहा देवी-देवताओं के प्रतीक चिन्हों जैसे-डोला, छत्रा, लाट बैरम आदि के साथ जुलूस निकालते हैं। जुलूस की समाप्ति के पश्चात् शाम को युवक-युवतियां अपने विशिष्ट नृत्य पोषाक में सज-सवरकर एकत्र होकर सारी रात नृत्य करते हैं।

दंडामी माड़िया जनजाति नृत्य के दौरान पहने जाने वाले गौर सींग मुकुट, बस्तर दशहरा के अंतिम दिनों में चलने वाले विशालकाय काष्ठ रथ को खींचने का विशेषाधिकार और स्वभाव के लिए प्रसिद्ध है। दंडामी माड़िया जनजाति के सदस्य नृत्य के दौरान पहने जाने वाले गौर सींग मुकुट को माड़िया समुदाय के वीरता तथा साहस का प्रतीक मानते हैं। इस नृत्य की वेशभूषा में दंडामी माड़िया पुरुष सिर पर कपड़े की पगड़ी या साफा, मोती माला, कुर्ता या शर्ट, धोती एवं काले रंग का हाफकोट धारण करते हैं। वहीं महिलाएं साड़ी, ब्लाउज, माथे पर कौड़ियों से युक्त पट्टा, गले में विभिन्न प्रकार की माला और गले, कलाई, पैरों पर बाजार में मिलने वाले सामान्य आभूषण पहनी हैं। वाद्य यंत्र मांदरी नृत्य के लिए पुरुष सदस्य अपने गले में लटकाकर ढोल एवं मांदर वाद्य का प्रयोग करते हैं। महिलाएं लोहे के रॉड के ऊपरी सिरे में लोहे की विशिष्ट घंटियों से युक्त 'गुजिड़' का प्रयोग करती हैं।

एक पुरुष सदस्य सीटी का प्रयोग करता है, नृत्य के दौरान सीटी की आवाज से ही नर्तक स्टेप बदलते हैं। यह नृत्य दंडामी विवाह, मेला-मंड़ई, धार्मिक उत्सव और मनोरंजन के अवसर पर किया जाता है। विवाह के दौरान अलग-अलग गांवों के अनेक नर्तक दल विवाह स्थल पर आकर नृत्य का प्रदर्शन करते हैं। जिसके बदले में उन्हें 'लांदा' (चावल की शराब) और 'दाड़गो' (महुए की शराब) दी जाती है। दंडामी माड़िया जनजाति के सदस्यों का मानना है कि गौर सींग नृत्य उनके सामाजिक एकता, सहयोग और उत्साह में वृद्धि करता है। वर्तमान में दंडामी माड़िया जनजाति का गौर सींग नृत्य अनेक सामाजिक तथा सांस्कृतिक आयोजनों में भी प्रदर्शन के लिए किया जाता है।

(लेखक जनसंपर्क उप संचालक हैं।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

गया, बिहार पंचायत चुनाव 2021 परिणाम: मुखिया बनने के बाद भी जलावन से भोजन बनाती जयमूर्ति देवी

गया (एजेंसी)। जिले के गुरुआ प्रखंड क्षेत्र की सुरक्षित सीट पलुहारा पंचायत से बुधुआचक गांव के कमलेश कुमार मंडल की पत्नी जयमूर्ति देवी पहली बार मुखिया बनी है। इससे पहले जयमूर्ति देवी 2006 में अपने गांव से वार्ड सदस्य का चुनाव जीतकर पलुहारा पंचायत की उप मुखिया बनी थीं। उसके बाद से दंपती पंचायत की राजनीति में सक्रिय होकर काम कर रहे थे। 2016 के पंचायत चुनाव में मुखिया पद के लिए किस्मत आजमाया था, लेकिन सफलता नहीं मिली। मामूली मतों से हार का सामना करना पड़ा था। फिर भी हार नहीं मानी, लगातार संघर्ष करते रहे। इसका परिणाम हुआ की जयमूर्ति देवी स्वच्छ छवि और ईमानदारी की बदौलत 2021 के पंचायत चुनाव में पलुहरा पंचायत से मुखिया पद विजयी हुई।

इसके बाद भी जयमूर्ति देवी अभी अपने घरेलू कार्य में लगी रहती हैं। सुबह-शाम जलावन पर परिवार के लिए भोजन बनाती हैं। नवनिर्वाचित मुखिया ने बताया कि मेरी मायका गुरारु प्रखंड के कनौसी पंचायत के केरकी गांव में है। अष्टम कक्षा में पढ़ाई के दौरान 1990 में पलुहारा पंचायत के बुधुआचक गांव के कमलेश कुमार मंडल के साथ विवाह हुआ था। उसके बाद से ससुराल में हैं, लेकिन 1992 में गुरारू के समता हाईस्कूल से मैट्रिक परीक्षा देने के लिए सेंटअप हुआ था। मैट्रिक परीक्षा के दौरान तत्कालीन जिला पदाधिकारी राजबाला वर्मा ने चोरी करने के क्रम में पकड़ा था और परीक्षा देने से वंचित कर दिया था। उसके बाद से ग्रामीण जिंदगी में सक्रिय रहकर जीवन गुजार रही हूं। फिलहाल उनकी एक बेटी और दो पुत्र हैं। इनके पति भी नॉन मैट्रिक हैं। कमलेश काफी दिनों से राजनीति में सक्रिय थे। इस कारण पलुहारा पंचायत की जनता ने जयमूर्ति देवी को मुखिया बना दिया। मुखिया ने बताया कि पुरुष व महिला मतदाताओं ने मुझे दायित्व सौंपा है, उसे ईमानदारीपूर्वक निभाएंगे। उन्हें मुखिया के दायित्व के बारे पता नहीं है, लेकिन वे अपने पति के सहारे सारे कार्य करेंगी।

बिहार के सिवान में बड़ी वारदात, गोली मार हत्या के बाद भाग रहे अपराधी को पीट-पीटकर मार डाला

सिवान (एजेंसी)। बिहार के सिवान जिले में मॉब लिंचिंग की बड़ी वारदात हुई है। गोली मारकर हत्या के बाद भाग रहे आरोपित को लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। मॉब लिंचिंग का शिकार कुख्यात ओम प्रकाश गोंड है। उसपर शराब तस्तकरी समेत हत्या के दो मामले दर्ज हैं। वह कुछ माह पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था। ओम प्रकाश गुरुवार की सुबह सत्यदेव गोंड की गोली मारकर हत्या करने के बाद भागने के दौरान ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गया। गांव के लोग काफी आक्रोशित हैं। घटना सिवान के आंदर थाना क्षेत्र की कुशहरा पंचायत के मीरपुर गांव में हुई। बताया जाता है कि सत्यदेव गोंड और ओम प्रकाश गोंड आपस में पट्टीदार हैं। ओम प्रकाश रिश्ते में सत्यदेव का भतीजा था। मीरपुर गांव में रघुनाथपुर के राष्ट्रीय जनता दल विधायक हरिशंकर यादव के घर के सामने ही सत्यदेव का घर है। आज सुबह पैसे को लेकर कोई विवाद हुआ इसके बाद ओमप्रकाश ने सत्यदेव गोंड की सीने में गोली मार दी। हत्या के बाद वह भागने लगा। इस बीच हत्या से गुस्साए गांव के लोगों ने उसे घेर लिया तथा लाठी-डंडे से पीटकर मौत के घाट उतार दिया। गांव वालों के अनुसार ओम प्रकाश के साथ एक अन्य बदमाश भी था जो भाग कर गांव के यादव टोला में छुप गया है। आक्रोशित लोग उसकी तलाश कर रहे हैं। वहीं पुलिस भी उस अपराधी की तलाश में लगी है ताकि उसे भीड़ के आक्रोश से बचाया जा सके। इस बीच पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। उसने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है। मृतक ओम प्रकाश के पास से 12 कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस उस पिस्टल की तलाश कर रही है जिससे सत्यदेव को गोली मारी गई।

तेजस्वी यादव का बड़ा आरोप, उपचुनाव जीतने के लिए सरकार रच रही साजिश

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा उपचुनाव से दो दिन पहले राज्य सरकार पर बड़ा आरोप लगा दिया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव जीतने को लेकर बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने केंद्रीय बल की निगरानी में चुनाव कराने की मांग की है। तेजस्वी गुरुवार को प्रेस कांफ्रेस कर सरकार पर निशाना साध रहे थे।तेजस्वी ने कहा कि कुशेश्वरस्थान और तारापुर में लालू प्रसाद की सभा ऐतिहासिक रही। बड़ी संख्या में लोग उन्हें सुनने पहुंचे। जनता मौजूद सरकार से छुटकारा पाना चाहती है। दरअसल जनता इनकी सच्चाई जान चुकी है। 30 अक्टूबर को कुशेश्वरस्थान एवं तारापुर में मतदान होना है। मतों की गिनती दो नवंबर को होगी। बुधवार शाम से प्रचार भी थम चुका है। अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ट्विटर पर सक्रिय हो गए हैं। अब उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर उपचुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा छेड़ दिया है। तेजस्वी ने कहा है कि सरकार और उनके अधिकारी इस बार भी चुनाव जीतने का षडयंत्र कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी भी जदयू के कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव से एक महीना पहले दरभंगा जिले के बिरौल से पुलिसवालों का कुशेश्वरस्थान तबादला कर दिया गया। एसडीपीओ पर मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था। इसकी शिकायत उन्होंने 23 अक्टूबर को चुनाव आयोग से की थी। 26 अक्टूबर को चुनाव आयोग का जवाब आया। जांच कर कार्रवाई की बात कही गई। चुनाव आयोग ने दरभंगा प्रशासन से इसको लेकर जवाब भी मांगा है। बावजूद जिला प्रशासन ने उस एसडीपीओ को दो दर्जन से अधिक बूथों की जिम्मेदारी सौंप दी है। उन्होंने कहा कि हार की बौखलाहट साफ दिख रही है। केंद्रीय बलों की मौजूदगी में चुनाव कराया जाए।

लाज में रसोइया कर रहा था छात्रा से अश्लील हरकत, विरोध करने पर फेंककर मारी कुर्सी

भागलपुर (एजेंसी)। एसएम कालेज रोड से सटे होटल के एक तल में संचालित लाज में रहने वाली नवादा जिले की छात्रा से रसोइया ने अश्लील हरकत की थी। यह मामला अब तूल पकड़ लिया है। रसोइया ने इससे पहले भी तीन छात्राओं से दुर्व्यवहार किया था। पीड़ित चार छात्राओं ने महिला आयोग को अर्जी देकर संचालक और रसोइया के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत पत्र में मोबाइल से ली गई तस्वीर की बाकायदा सीडी भी तैयार कर भेजी गई है। नवादा की छात्रा ने बताया कि पूर्व में भी तीन छात्राओं के साथ रसोइया ने दुर्व्यवहार किया था। उसकी शिकायत करने पर तीनों को प्रताड़ित किया गया था। बता दें कि 22 अक्टूबर को नवादा की छात्रा से लाज के रसोइया बाबा ने मारपीट कर अश्लील हरकत की थी। घटना को तब अंजाम दिया था जब छात्रा लाज की छत पर टहल रही थी। छत पर बने एक कमरे में रसोइया बाबा रहता है। छात्रा से अश्लील हरकत का विरोध किया तो उसे धक्का दे गिरा दिया फिर उसके सिर पर कुर्सी फेंक मारा था, जिससे छात्रा के सिर में सूजन हो गया था। पीड़ित छात्रा की बहन की लिखित अर्जी पर जोगसर थाने में लाज संचालक राजेश राय और रसोइया बाबा को नामजद आरोपित बनाया गया है। जोगसर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

नवादा का पिरौटा रूरल टूरिज्म के रूप में होगा विकसित, जापानी संस्था करेगी फंडिंग, ककोलत जाने वाले को मिलेगी सुविधा

नवादा (एजेंसी)। जिले के अकबरपुर प्रखंड अंतर्गत पिरौटा गांव को रूरल टूरिज्म के रूप में विकसित करने पर काम शुरू किया गया है। जापान के गांवों की भांति इसे विकसित किया जाएगा। जापान की कुछ संस्था ने इस गांव को विकास के लिए फंडिग करने पर सहमति दी है। इसके लिए डीपीआर तैयार कर लिया गया है। जिला प्रशासन से गांव स्थित सूर्यमंदिर तालाब, तालाब का तटबंध व आसपास की सरकारी भूमि की मांग की गई है। डीएम ने यह प्रस्ताव सरकार को भेज दिया। इस सिलसिले में जापान के एक विधायक योगेंद्र पौराणिक नवादा पहुंच कार्यस्थल का निरीक्षण भी कर चुके हैं। जमीन आवंटित होने के साथ ही विकास कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। योजना के तहत पिरौटा गांव के सूर्यमंदिर व पास के तालाब के करीब 7-8 एकड़ भूमि

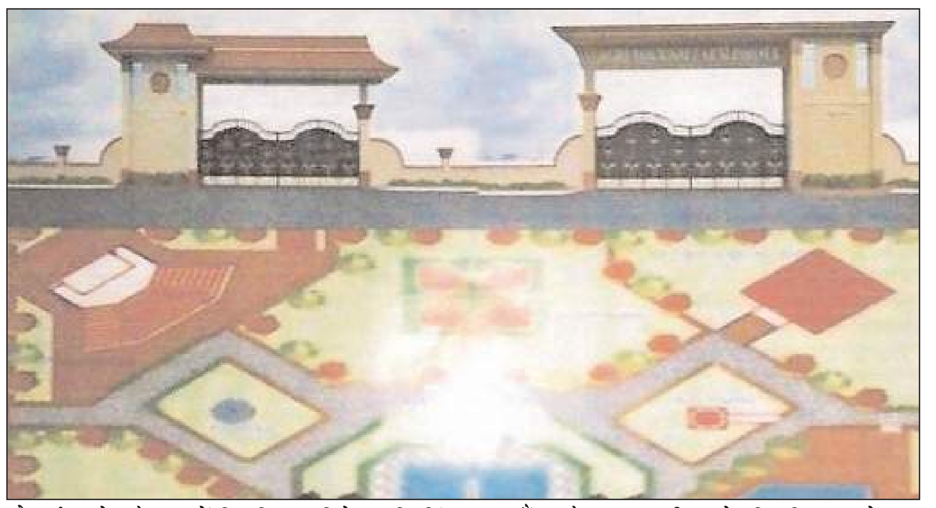

को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। जो डीपीआर तैयार किया गया है, उसमें तालाब के बांध व आसपास विदेशी सैलानियों के ठहराव के लिए चार काटेज का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा मेडिटेशन सेंटर, ओपन थियेटर, स्विमिंग पुल, लैंड स्केप, पार्किंग, रेस्टोरेंट, ट्रैकिंग एरिया आदि का निर्माण कराया जाएगा। तमाम कंस्ट्रक्शन का काम जापान की तर्ज पर होगा। पूरी तरह इक्को फ्रेंडली निर्माण कार्य होगा। यह बिहार का पहला ऐसा गांव होगा, जिसे जापानी तकनीक से विकसित करने का प्रयास है। इस योजना के तहत पिरौटा गांव का भी विकास किया जाएगा। गांव में स्वच्छता, शिक्षा, स्वरोजगार, प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक की खेती को बढ़ावा देने का काम किया जाएगा। ये सब भी प्रोजेक्ट का हिस्सा होगा। तालाब में बरसात के पानी का संरक्षण किया जाएगा। इस पानी का इस्तेमाल बाद में प्यूरीफाइ कर कई कार्यों के लिए किया जाएगा। इससे पानी की बर्बादी रुकेगी। वर्षा पानी का संरक्षण होने से गांव और आसपास के इलाके का जलस्तर बना रहेगा। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के इस प्रोजेक्ट से प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से रोजगार भी उपलब्ध होगा।

प्रोजेक्ट से जुड़ी संस्था के सीईओ रंजन कुमार बताते हैं कि कार्य योजना धरातल पर उतरा तो 50-100 लोगों को सीधा रोजगार उपलब्ध हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट का स्थल निरीक्षण करने जापाना की राजधानी टोक्यो के एडोगावा शहर के विधायक योगेंद्र पौराणिक दो दिनों पूर्व यहां पहुंचे। उन्होंने कहा कि जापान के गांवों की तर्ज पर इसे विकसित करने का काम किया जाएगा। ताबिजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डीएलएफ अंकुर विहार, गाजियाबाद द्वारा इस प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। इस कार्ययोजना के लिए सरकार से पिरौटा गांव के तालाब, बांध व उसके आसपास की सरकारी भूमि की मांग की गई है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भूमि की मांग की गई है। अक्टूबर 2019 में ही तत्कालीन डीएम कौशल कुमार ने प्रस्ताव सरकार को भेज दिया था। बीच में कोरोना संक्रमण के फैलाव के कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। प्रस्ताव भूमि व राजस्व सुधार विभाग में लंबित है। भूमि की उपलब्धता व अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए जापान के विधायक जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलेंगे। सीएम को इस प्रोजेक्ट का प्रजेंटेशन लोक संवाद कार्यक्रम में फरवरी 19 में दिया जा चुका है। पुनः मिलकर भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया जाएगा।

दवा कारोबारी की हत्या के बाद सारण में बवाल, हालात बेकाबू, कई थाने की पुलिस कर रही कैंप

सारण (एजेंसी)। सारण जिला के रिविलगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कचनार गांव के एक दवा दुकानदार की बुधवार देर रात चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने गुरुवार की सुबह जमकर हंगामा किया। सड़क पर आगजनी कर छपरा- सिवान मुख्य पथ को जाम कर दिया। गुस्साए लोगों ने आरोपित के घर एवं मार्केट पर भी हमला कर दिया। वहां तोड़फोड़ की। कई सामान को आक्रोशित लोगों ने आग के हवाले कर दिया। लोगों का आक्रोश देख पुलिस भी पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। हालांकि, स्थानीय लोगों के प्रयास से स्थिति को नियंत्रित कराने का प्रयास किया जा रहा है। हालात को देखते हुए कई थाने की पुलिस को बुलाया गया है। प्रभु राय की दवा दुकान टेकनिवास बाजार में है। उनकी दवा दुकान में काफी पहले से एक चिकित्सक बैठते हैं। उनकी दवा दुकान के सामने एक मार्केट है, उसके प्रोपराइटर उस डाक्टर को अपने मार्केट में बैठने को कह रहा था। इसी बात को लेकर बुधवार रात करीब नौ बजे प्रभु राय का उससे विवाद हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस विवाद में आरोपित ने प्रभु राय को चाकू घोंप दिया। गंभीर हालत में उन्हें रिविलगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां से छपरा रेफर कर दिया गया। छपरा में इलाज के दौरान देर रात में उनकी मौत हो गई। मौत की जानकारी गुरुवार की सुबह में गांव के लोगों को हुई तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। कचनार गांव के पास छपरा -सिवान मुख्य पथ को जाम कर दिया। बताया जाता है कि टेकनीवास बाजार स्थित आरोपित के मार्केट कांप्लेक्स में भी लोगों ने जमकर उपद्रव किया। वहां रखे सामान एवं जेनेरेटर को क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोपित के घर पर भी लोगों ने हमला कर दिया। वहां पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस मामले को शांत कराने का प्रयास कर रही है। बताया जाता है कि 10 वर्ष पहले उनकी भाभी मुखिया थी। प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी हो रही है। रिविलगंज थाना प्रभारी को जान बचाकर भागना पड़ा।

औरंगाबाद में पुलिस पर हमला कर ट्रैक्टर छुड़ा ले गए उपद्रवी, दो जवान घायल

निरीक्षक का वाहन क्षतिग्रस्त

औरंगाबाद (एजेंसी)। बालू माफिया के हाथों एक बार फिर बिहार पुलिस पिट गई। औरंगाबाद जिले के थाना क्षेत्र के भगवान बिगहा के सोन तटीय इलाके में बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाने के क्रम में उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। दो पुलिसकर्मियों को घायल कर ट्रैक्टर छुड़ा ले गए। खनन निरीक्षक आजाद आलम के स्कार्पियो वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना गुरुवार सुबह की है। घटना के बाद खनन निरीक्षक आजाद आलम द्वारा दाउदनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि 22 -23 नामजद के खिलाफ नामजद आरोपित करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। उपद्रवियों की पहचान कर ली गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध बालू खनन की गुप्त सूचना पर खनन निरीक्षक और उनके नेतृत्व में पुलिस बल भगवान बिगहा गांव के पास स्थित सोन तटीय इलाके में पहुंची, जहां से एक बालू लदा ट्रैक्टर को जब्त कर भगवान बिगहा गांव होते हुए दाउदनगर थाना लाया जा रहा था।

गांव में उपद्रवियों ने टीम को घेरकर हल्ला-हंगामा मारपीट एवं गाली-गलौज करते हुए ट्रैक्टर को छुड़ा लिया। इस घटना में बिहार पुलिस के जवान लाल बाबू यादव और एक होमगार्ड का जवान जख्मी हुआ है। इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दाउदनगर में किया गया।उपद्रवी तत्वों ने खनन निरीक्षक के स्कॉर्पियो वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। पुलिस उपद्रवियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है। गौरतलब है कि औरंगाबाद में ही नहीं, दूसरे जिलों में भी शराब और बालू माफिया द्वारा पुलिस पर हमला किए जाने की खबरें आ रही हैं। जानकार बताते हैं कि कई बार खनन विभाग और उत्पाद विभाग की गलत का खामियाजा थाना पुलिस को भुगतना पड़ता है। इन दोनों विभागों के अधिकारी पूरी तैयार कर छापेमारी के लिए नहीं जाते। यही कारण है कि पुलिस उपद्रवियों के सामने बौनी नजर आती है।

राजस्थान की जेलों में पिछले डेढ़ वर्षों से बंद पड़ी मुलाक़ातों का मुद्दा राजा भैया ने सुप्रिम कोर्ट पहुँचाया

ओपन सर्च

राजस्थान (एजेंसी)। कोरोना महामारी के दौरान से अब तक राजस्थान जेल मुख्यालय के आदेश से राजस्थान की समस्त छोटी बड़ी जेलों में बंद बंदियो से उनके परिजनों व उनके अधिवक्ताओं की मुलाक़ातें बन्द पड़ी हैं इस मुद्दे को जनहित व न्यायहित में उठाते हुए हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय प्रमुख व दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्रसिंह तोमर राजा भैया ने सुप्रिम कोर्ट व राष्ट्रीय मनवाधिकार आयोग का दरवाज़ा खट खटाया हैं तथा इस बाबत लिखित शिकायतें सुप्रिमकोर्ट के मुख्य न्यायधीश महोदय व एनएचआरसी के अध्यक्ष महोदय के नाम भेज कर कर्यवाही करने व जेलों में बंद पड़ी मुलाक़ातें तत्काल खोलने की माँग की हैं एडवोकेट तोमर ने बताया है कि कोरोना महामारी के दौरान पिछले वर्ष 2020 मार्च से प्रदेश के जेल आई जी के आदेशों से सभी सेंट्रल जेलों , जिला जेलों व उप करागारो में बन्द बंदियो से आमने सामने से उनके परिजनो व उनके अधिवक्ताओं से होने वाली मुलाक़ातों पर रोक लगा दी गई थी जो अभी तक जारी हैं तथा पिछले डेढ़ सालों से जेलों में बन्द बंदियो की मुलाक़ातें बन्द पड़ी है इससे बंदियो व उनके परिजन मानसिक पीड़ा व मानसिक तनाव से गुज़र रहे हैं तथा डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं जेल में बंदी अपने अधिवक्ताओं से ना मिल पाने के कारण न्यायिक प्रक्रिया से भी वंचित हो रहे हैं व उनके मौलिक व मानवीय अधिकारो के साथ साथ उनके संबैधानिक व क़ानूनी आधिकरो का भी हनन हो रहां हैं अब जबकि कोरोना महामारी लगभग समाप्त सी हो चूकी हैं पुरे देश ओर प्रदेश में सभी संस्थान व बाज़ार खोले जा चूके हैं कोर्टो में भी भौतिक रूप से काम किया जाने लगा है बंदियो की पेशी भी ज़ेलो से कोर्ट में होने लगी हैं यहाँ तक की स्कुल कोलेज भी खोले जा चूके हैं बसें ट्रेने भी चलू की जा चूकी हैं फ़िर जेल मुख्यालय द्वारा जेल बंदियो की मुलाक़ात पर रोक लगाए रखना न्यायोचित नही हैं आख़िर जेल के बंदी भी मानव है कोई जानवर नही हैं बेशक वो न्यायिक हिरासत में हैं पर उनके भी कुछ अधिकार हैं जो भारतीय संबिधान व क़ानून ने उन्हें दिए हुए हैं उनके अधिकारो का हनन करने का अधिकार किसी को भी नही हैं फ़िर चाहें वो जेल के अधिकारी हों या जेल मुख्यालय के आधिकारी हों ,न्यायहित व जनहित में स्वम पहल करते हुए इस बाबत एडवोकेट तोमर ने पहले भी पिछले कई महीनो से राजस्थान के सीएम ग्रहसचिव राज्यपाल मुख्य न्यायाधीश राजस्थान हाई कोर्ट राज्य मनवाधिकार आयोग पीएमओ एचएमओ व मुख्यतः राजस्थान जेल महानिदेशक व आई जी जेल को लिखित शिकायतें की हैं पर कोई कर्यवाही नही की गई कोई कर्यवाही ना होते देख अब उन्होंने बंदियो के हित को देखते हुए इस बाबत सुप्रिम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश महोदय व राष्ट्रीय मनवाधिकार आयोग के अध्यक्ष महोदय के नाम शिकायतें भेज कर मामला दर्ज कर उनसे कर्यवाही की माँग की हैं आज इस बाबत ज़िले में आने पर एडवोकेट तोमर ने पत्रकारों को ,अपने द्वारा भेजे गये सभी शिकायत पत्रों की प्रतियाँ देते हुए ये खुलासा किया हैं!

बिहार में डिजिटल तकनीक से लापता बच्चों को खोज रही सरकार, अब तक सौ को मिल चुका परिवार

पटना (एजेंसी)। उस खुशी के एहसास को समझिए जब वर्षों से गुम हुए घर के बच्चे की सकुशल बरामदगी का अचानक कोई फोन आता है। कोई घर पहुंचता है और वीडियो कॉल से गुम हुए बच्चे या बच्ची से बात कराता है। गुम हुए ऐसे बच्चों के घर को तलाश की यह कवायद इन दिनों डिजिटल मोड में चल रही है। बिहार के समाज कल्याण विभाग की देखरेख में विभिन्न जिलों में चलने वाले आश्रय गृह से ऐसे एक सौ से अधिक बच्चों को वहां से निकालकर उनके स्वजनों तक पहुंचाया जा चुका है। इसी हफ्ते ऐसे आठ बच्चों की पहचान हो चुकी है। समाज कल्याण विभाग के संबंधित अधिकारी ने बताया कि आश्रय गृह में रहने वाले बच्चों के लिए विभाग ने आधार कार्ड बनाए जाने की व्यवस्था कर रखी है। आधार कार्ड बनाने वाले आश्रय गृह पहुंचते हैं। आधार कार्ड बनाए जाने के क्रम में जब बच्चों की अंगुलियों का स्कैन किया जाता है तो उस दौरान यह सूचना मिलती है कि संबंधित बच्चे का आधार कार्ड पहले से बना है। अगर किसी का आधार कार्ड नहीं रहता है तो यह सूचना नहीं आती है। जिस बच्चे के आधार कार्ड बने रहने की सूचना मिलती है, उसके बारे में आधार कार्ड बनाए जाने वाली एजेंसी को सूचित किया जाता है। वहां से उसके आधार कार्ड को डाउनलोड कर उसे बंद लिफाफे में समाज कल्याण विभाग के निदेशक को भेज दिया जाता है। इससे उक्त बच्चे का पता-ठिकाना मालूम हो जाता है। कई आधार कार्ड ऐसे भी मिलते हैं जिस पर मोबाइल नंबर भी होता है। आश्रय गृह मे रह रहे बच्चों का पता मिल जाने पर वहां के स्थानीय अधिकारी को उक्त पते पर भेजा जाता है। वहां से अधिकारी की मौजूदगी में बच्चे के मां-बाप से वीडियो कॉल के माध्यम से बात करायी जाती है।

बिहार में बिटक्वाइन के नाम पर करोड़ों रुपये गबन, समस्तीपुर में पति-पत्नी पुलिस गिरफ्त

समस्तीपुर (एजेंसी)। दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के रामपुर जलालपुर गांव में बिटक्वाइन में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपए गबन मामले में तीन महीने बाद पुलिस ने 10 आरोपितों में से पति-पत्नी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया। मुख्य सरगना स्व हरिकांत चौधरी के पुत्र पंकज कुमार चौधरी सहित आठ लोग अभी भी फरार है। थानाध्यक्ष कुमार ब्रजेश ने बताया कि तीन महीना पूर्व रामपुर जलालपुर गांव के कुछ लोगो द्वारा बिटक्वाइन में निवेश करने के लिए दस प्रतिशत की ब्याज दर पर राशि लेकर निवेश किया गया था। इसमें करोड़ों का गबन हुआ था। मामले में गुप्त सूचना मिली थी कि दो आरोपी आए हुए है। सूचना पर थाना के एसआई नन्द किशोर सिंह दलबल के साथ छापेमारी करने पहुंचे। विभूतिपुर निवासी कपर वार्ड संख्या 2 निवासी गौरी झा के पुत्र अंजनी झा व उनकी की पत्नी मंजू देवी को गिरफ्तार किया है।दोनों मुख्य आरोपी के बहन बहनोई है। कागजी करवाई के बाद दोनों को जेल भेजा जा रहा है। बताते चले कि तीन महीने पहले रामपुर जलालपुर गांव निवासी पंकज चौधरी, दीपक चौधरी एवं वैशाली जिले के देवनाथ सिंह के पुत्र सजंय कुमार सिंह ने एक करोड़ 18 लाख बीस हजार तथा रामपुरजलालपुर गांव के ही संतोष कुमार चौधरी तथा रामसुजन चौधरी के दो पुत्र दीपक चौधरी और मुकेश चौधरी के साथ सुरेश चौधरी के पुत्र मुकेश चौधरी, कृष्ण कुमार कुंदन सहित अन्य लोगो ने करीब एक करोड़ की राशि गबन को लेकर आवेदन दिया था। मथुरापुर ओपी के मथुरापुर गांव स्थित एक घर से उचक्के ने दुकानदार को झासा देकर सामने रखे 30 हजार रुपये लेकर फरार हो गया।

डीईओ कार्यालय के नाम से मदरसा बोर्ड को भेजी गई फर्जी जांच रिपोर्ट

मधुबनी (एजेंसी)। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के नाम से जिले के तीन मदरसों का फर्जी रिपोर्ट बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड को भेजने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जांच में इस बात का पर्दाफाश हो गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी नसीम अहमद ने बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के सचिव को वास्तविक वस्तुस्थिति से पत्र भेजकर अवगत करा दिया है।

वहीं, संबंधित मदरसों के अध्यक्ष, सचिव व प्रधान मौलवी से डीईओ ने जवाब तलब भी किया है। डीईओ ने संबंधित मदरसों के अध्यक्ष, सचिव व प्रधान मौलवी से स्पष्टीकरण मांगा है कि गलत रिपोर्ट उनके द्वारा मदरसा शिक्षा को क्यों और कैसे भेजा गया। यह भी स्पष्टीकरण मांगा गया है कि क्यों नहीं छल, प्रपंच, धोखाधड़ी, जालसाजी एवं फरेब के लिए उनका निबंधन रद करने की अनुशंसा करते हुए उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, मधुबनी के नाम से आठ मई 2020 को तीन मदरसों से संबंधित फर्जी जांच रिपोर्ट बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड को भेज दिया गया था। जिन तीन मदरसों का डीईओ कार्यालय के नाम से फर्जी जांच रिपोर्ट बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड को भेजा गया था, उसमें बिस्फी प्रखंड क्षेत्र स्थित मदरसा मदरसातुल बनात,

पुरोही, मदरसा मदरसातुल बनात खलीलीया, असुरा एवं मदरसा मदरसातुल बनात फजले उलूम, परसौनी शामिल हैं। इस संबंध में बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के सचिव को वास्तविक वस्तुस्थित से अवगत कराने के लिए भेजे गए पत्र में डीईओ नसीम अहमद ने जिक्र किया है कि उक्त तीनों मदरसों का जांच रिपोर्ट मदरसा बोर्ड कार्यालय में 22 जून 2020 को उपलब्ध कराया गया प्रदर्शित है, जो डीईओ कार्यालय, मधुबनी से निर्गत पत्रांक एवं दिनांक नहीं है। निर्गत फार्मेट भी भिन्न है। डीईओ कार्यालय के फॉन्ट से भी भिन्न फॉन्ट में जांच रिपोर्ट है। अनुलग्नक के प्रथम पृष्ठ पर किसी कर्मी एवं डीईओ का हस्ताक्षर भी नहीं है, जो यह स्पष्ट करता है कि गलत रिपोर्ट बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड को भेजा गया था। जिला शिक्षा पदाधिकारी नसीम अहमद ने बताया कि जांच में रिपोर्ट फर्जी पाया गया। इस मामले से मदरसा शिक्षा बोर्ड के सचिव को अवगत कराया दिया गया है। वहीं, संबंधित मदरसों के अध्यक्ष, सचिव व प्रधान मौलवी से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

बायर्न म्यूनिख की जर्मन कप में सबसे बड़ी हार, ग्लैडबाक ने 5-0 से हराया

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी के शीर्ष फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख को जर्मन कप में अब तक की अपनी सबसे करारी हार का सामना करना पड़ा जिससे उसका इस टूर्नामेंट में सफर भी समाप्त हो गया। बोरुसिया मोनचेंग्लैडबाक ने अपने प्रशंसकों के सामने बायर्न को 5-0 से करारी शिकस्त देकर बाहर का रास्ता दिखाया। यह बायर्न की इस प्रतियोगिता में सबसे बड़ी हार है। यह पिछले 43 वर्षों में किसी भी प्रतियोगिता में उसकी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले नौ दिसंबर 1978 को बुंदेसलीगा में फोर्टुना डुसेलडोर्फने उसे 7-1 से हराया था। ग्लैडबाक ने शुरू में ही तीन गोल दाग दिये थे। उसके लिये कौआडियो कोन ने दूसरे मिनट में गोल करके खाता खोला। इसके बाद रेमी बेंसबैनी ने 15 वें मिनट में मैदानी गोल किया और फिर 21वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। ब्रील इम्बोलो ने 51वें मिनट में स्कोर 4-0 किया और फिर इसके छह मिनट बाद अपना दूसरा गोल किया। अन्य मैचों में दूसरे डिवीजन की टीम कार्लजूर एससी ने बायर लीवरकुसेन को 2-1 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। यूनियन बर्लिन ने वाल्डहोफमैनहीम पर 3-1 से जीत दर्ज की।

टी20 वर्ल्ड कपः श्रीलंका के खिलाफ मैच में चोटिल स्टार्क का खेलना अनिश्चित

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का गुरुवार को श्रीलंका के साथ होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में खेलना अनिश्चित है, क्योंकि ट्रेनिंग के दौरान पैर में चोट लग गई थी। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, बुधवार शाम को नेट प्रैक्टिस के दौरान स्टार्क लंगड़ाते और दर्द में दिखाई दे रहे थे। उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है। दुनिया के शीर्ष सफेद गेंद वाले गेंदबाजों में शामिल स्टार्क को बुधवार शाम यहां आईसीसी अकादमी में नेट्स सेशन में लंगड़ाते और दर्द में अभ्यास करते हुए देखा गया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को मंगलवार शाम नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय दाहिने घुटने के ठीक ऊपर चोट लग गई थी और वह साफतौर पर असहज महसूस कर रहे थे। हालांकि, स्टार्क ने बुधवार को अपने दाहिने पैर पर एक स्लीव लगाकर गेंदबाजी करते दिखे लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें इलाज के लिए जाने से पहले मेडिकल स्टाफ की मदद से नेट से बाहर जाते और तकलीफ झेलते हुए दिखे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने अभी तक उनकी चोट और उपचार के बारे में आधिकारिक रूप से सूचित नहीं किया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि स्टार्क गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफहोने वाले मैच से दूर रह सकते हैं। इस मैच में अगर स्टार्क नदारद रहते हैं तो एश्टन एगर के प्रतिस्थापन के रूप में प्लेइंग इलेवन में आने की संभावना है। स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की जीत में चार ओवर में 2/32 विकेट झटककर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान के दो पैरालिंपियन खेल रत्न के लिए नामांकित

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के दो पैरालंपिक खिलाड़ी अवनि लेखारा और कृष्णा नागर के नाम की सिफारिश खेलों के लिए सर्वोच्च सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए की गई है। दोनों ने हाल ही में आयोजित टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। अवनि ने निशानेबाजी में दो पदक जीते, जबकि नागर ने बैडमिंटन एसएच6 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ी जयपुर के हैं और 1991 में शुरू हुए खेल रत्न के इतिहास में पहली बार एक ही शहर के दो खिलाड़ियों को इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। अवनि पैरालंपिक या ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 में स्वर्ण और महिलाओं की 50 मीटर एयर राइफल एसएच1 में कांस्य पदक जीता। अवनि पुरस्कार के लिए नामांकित होने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। 2012 में, उनका एक एक्सीडेंट हो गया था, जिसके कारण उन्हें लकवा मार गया। हालांकि, बहादुर लड़की ने हार नहीं मानी और शूटिंग का अभ्यास कर सफलता हासिल की। नागर की कहानी भी संघर्षों से भरी है। वह एक लाइलाज बीमारी से पीड़ित थे जिसके कारण उनकी लंबाई लगभग 4.2 फीट तक सीमित हो गई। उनके परिवार ने उन्हें प्रेरित किया और वह पिछले कुछ वर्षों से पैरा-बैडमिंटन पुरुष एकल एसएच 6 श्रेणी में विश्व में नंबर 2 के स्थान पर हैं। टोक्यो पैरालंपिक खेलों में नागर ने हांगकांग के चू मान काई को 21-16, 16-21, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

बार्सिलोना ने कोच कोमैन को बर्खास्त किया

मैड्रिड (एजेंसी)। बार्सिलोना ने अपनी टीम के एक और खराब प्रदर्शन और एक और हार के बाद अपने मुख्य कोच रोनाल्ड कोमैन को बर्खास्त कर दिया। लियोनेल मेस्सी के बार्सिलोना छोड़ने के तीन महीने बाद कोमैन को बर्खास्त किया गया क्योंकि टीम पिछले कुछ समय से लगातार संघर्ष कर रही थी। बार्सिलोना ने बुधवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रायो वालेकानो से अपना मुकाबला 1-0 की हार के तुरंत बाद कोमैन को हटाने की घोषणा की। इससे पहले रविवार को रीयाल मैड्रिड ने भी बार्सिलोना को उसके घरेलू मैदान कैंप नोउ पर 2-1 से हराया था। कप्तान सर्जियो बासक्वेट्स ने इस घोषणा से पहले कहा था कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिये केवल कोमैन को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''हम सभी इसके लिये जिम्मेदार हैं।'' बार्सिलोना के स्पेनिश लीग में अभी 10 मैचों में 15 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर है। टीम ने इस सत्र में जो पांच मैच गंवाये उनमें चैंपियन्स लीग में बायर्न म्यूनिख से मिली 3-0 की हार भी शामिल है। कोमैन 15 महीने तक बार्सिलोना के कोच रहे। इस बीच टीम ने 67 मैच खेले जिनमें से उसे 39 में जीत और 16 में हार मिली। बाकी 12 मैच ड्रा रहे।

शीर्ष वरीयता प्राप्त हालेप, कोंटावीट आसान जीत से अगले दौर में

क्लूज नापोका (रोमानिया) (एजेंसी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिमोना हालेप ने हमवतन रोमानियाई खिलाड़ी इलेना गैब्रियला रूज को 6-1, 6-2 से हराकर ट्रांसिल्वेनिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनायी। रूज रोमानिया की उन युवा खिलाड़ियों में शामिल हैं जो हालेप से प्रभावित हैं। उन्होंने जुलाई में हैम्बर्ग में अपने करियर का पहला खिताब जीता था और फिर पालेर्मो में फाइनल में पहुंची थी। उसी महीने उन्होंने विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनायी थी। अब तक रोमानियाई खिलाड़ियों के खिलाफप्रत्येक मैच जीतने वाली हालेप का अगला मुकाबला रूस की वारवरा ग्रेचेवा से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त एनेट कोंटावीट ने सर्बियाई क्वालीफायर अलेक्सांड्रा क्रूनिक को 6-3, 7-5 इंडोर टूर्नामेंट में लगातार 11वीं जीत दर्ज की। इस बीच उक्रेन की लेसिया सुरेंको ने रूस की अनस्तेसिया गासनोवा को 6-2, 7-5 से और रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन ने अजला टोमजानोविच को 7-6 (5), 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

एशेज सीरीज को लेकर डेविड वार्नर ने की भविष्यवाणी, बताया कौन सी टीम जीतेगी ट्रॉफी

सिडनी (एजेंसी)। 2021 के ठीक बाद इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज खेली जानी है। आस्ट्रेलिया की मेजबानी में होने जा रही इस पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर कंगारू टीम के दिग्गज ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है। वार्नर को लगता है कि पांच मैचों की एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड की टीम को 4-0 से हरायेगी। गुरुवार को एशेज सीरीज को लेकर डेविड वार्नर ने आस्ट्रेलिया की 4-0 से जीत की भविष्यवाणी श्रीलंका के खिलाफ टी20 विश्व कप 2021 के मुकाबले से पहले सेन रेडियो स्टेशन के माध्यम से की है। डेविड वार्नर इन दिनों बेहद खराब फार्म से जूझ रहे हैं, लेकिन उनको लगता है कि उनकी फार्म ज्यादा चिंता का विषय नहीं है और वे जल्द टीम के लिए रन बनाते नजर आएंगे। खराब फार्म के कारण डेविड वार्नर को सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी से भी हाथ धोना पड़ा था।

पाकिस्तानी आक्रमण के सामने होगी अफगानिस्तान के बल्लेबाजों की परीक्षा

दुबई (एजेंसी)। लगातार दो जीत से उत्साह से ओतप्रोत पाकिस्तान के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के सामने अफगानिस्तान के प्रभावशाली बल्लेबाजों के कौशल और परिपक्वता की टी20 विश्व कप के सुपर 12 के ग्रुप दो में शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में कड़ी परीक्षा होगी। भारत और न्यूजीलैंड पर जीत से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ा हुआ है लेकिन उसके प्रदर्शन में एकदम से बदलाव देखने को मिलता रहा है जिसका अफगानिस्तान फायदा उठा सकता है। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम निश्चित तौर पर मैच में जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी लेकिन अफगानिस्तान की टीम को हल्के से नहीं लिया जा सकता है। करारे शॉट जमाने वाले बल्लेबाजों और विश्वस्तरीय स्पिनरों की मौजूदगी में वह किसी भी टीम को चुनौती देने में सक्षम है। अफगानिस्तान के बल्लेबाजों ने अपने ताकतवर शॉट के दम पर पिछले मैच में स्कॉटलैंड के गेंदबाजों पर दबदबा बनाया था लेकिन अब उसका सामना ऐसे आक्रमण से है जिसे प्रतियोगिता में सबसे खतरनाक माना जा रहा है। पाकिस्तान के गेंदबाजों के सामने अफगानिस्तान के बल्लेबाज आंख मूंदकर लप्पेबाजी नहीं कर सकते हैं और उन्हें संभलकर बल्लेबाजी करनी होगी। अगर हजरतुल्लाह जजई, रहमानुल्ला गुरबाज और नजीबुल्लाह जादरान मैदान के चारों तरफशॉट जमाने में माहिर हैं तो राशिद खान और मुजीब-उर रहमान जैसे विश्वस्तरीय स्पिनर अफगानिस्तान को एक बेहद संतुलित टीम बनाते हैं। अफगानिस्तान के लिये टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना सबसे अच्छा विकल्प होगा क्योंकि राशिद और मुजीब विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों पर भी अंकुश लगाने की क्षमता रखते हैं। इसके बाद बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बना सकते हैं। उनमें जज्बे की कमी नहीं है लेकिन उन्हें बड़े मैचों का दबाव झेलने का अनुभव नहीं है। जिस तरह से शाहीन शाह अफरीदी, हसन अली और हारिस रऊफ ने अब तक बल्लेबाजों को परेशान किया है उसे देखकर कहा जा सकता है कि पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी की इस तिकड़ी के सामने अफगानिस्तान के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होगी।

इसके अलावा पाकिस्तान के स्पिन विभाग में अनुभवी ऑफ स्पिनर मोहम्मद हफीज, इमाद वसीम और शादाब खान है जिससे अफगानिस्तान के लिये चुनौती बेहद कड़ी हो गयी है। ऐसे में अफगानिस्तान को यदि मैच में जीत दर्ज करनी है तो उसके गेंदबाजों को पाकिस्तानी बल्लेबाजों पर दबाव बनाना होगा। पाकिस्तान के शीर्ष क्रम में कप्तान आजम और मोहम्मद रिजवान ने अब तक अच्छी भूमिका निभायी है। यदि ये दोनों नाकाम रहते हैं तो फखर जमां और मोहम्मद हफीज को जिम्मेदारी संभालनी होगी। लगातार तीसरी जीत से पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत हो जाएंगी क्योंकि इसके बाद उसका सामना स्कॉटलैंड और नामीबिया जैसी अपेक्षाकृत कमजोर टीमों से होगा। टीमें इस प्रकार हैंः अफगानिस्तानः राशिद खान, रहमानुल्ला गुरबाज, हजरतुल्लाह जजई, उस्मान गनी, असगर अफगान, मोहम्मद नबी (कप्तान), नजीबुल्लाह जादरान, हशमतुल्ला शाहिदी, मोहम्मद शहजाद, मुजीब उर रहमान, करीम जनत, गुलबदीन नायब, नवीन-उल-हक, हामिद हसन, फरीद अहमद। पाकिस्तानः बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, फखर जमां, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, हसन अली, हारिस रउफ, शाहीन शाह अफरीदी, इमाद वसीम, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, आसिफअली, हैदर अली, सरफराज अहमद, मोहम्मद वसीम, सोहैब मकसूद। मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

हमने 20-30 रन कम बनाएः बेरिंगटन

अबुधाबी (एजेंसी)। स्कॉटलैंड के कार्यवाहक कप्तान रिची बेरिंगटन ने बुधवार को आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के ग्रुप दो मैच में नामीबिया के खिलाफ चार विकेट की हार के बाद स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्होंने 20 से 30 रन कम बनाए। रुबेन ट्रंपलमैन (17 रन पर तीन विकेट) और जेन फ्राइलिंक (10 रन देकर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने स्कॉटलैंड की टीम आठ विकेट पर 109 रन ही बना सकी। नामीबिया ने इसके जवाब में जेजे स्मिट (23 गेंद में नाबाद 32, दो छक्के और दो चौके) और सलामी बल्लेबाज क्रेग विलियम्स (23) की पारियों की बदौलत पांच गेंद शेष रहते छह विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। बेरिंगटन ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, ''हमारे लिए निराशाजनक दिन रहा, हमने लगभग 20-30 रन कम बनाए और शुरुआती कुछ ओवरों के बाद उबरना काफी मुश्किल था। शुरुआत में ही इतनी अच्छी गेंदबाजी करने का श्रेय नामीबिया को जाता है।'' स्कॉटलैंड ने ट्रंपलमैन के पहले ओवर में ही तीन विकेट गंवा दिए थे। बेरिंगटन ने कहा कि उन्हें साझेदारी की जरूरत थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''उस समय (जल्दी विकेट गंवाने के बाद) हमें सिर्फ अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। मैथ्यू क्रॉस अच्छा खेला लेकिन दुर्भाग्य से कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाया।'' बेरिंगटन ने कहा कि उन्हें नियमित कप्तान काइल कोएट्जर की चोट की स्थिति को लेकर इंतजार करना होगा। कोएट्जर अंगुली में चोट के कारण नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल पाए। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने कहा कि उन्हें विश्व कप में एक और जीत दर्ज करने की खुशी है। उन्होंने कहा, ''विश्व कप में एक और जीत दर्ज करने की खुशी है। पहले दौर से आकर हम भावुक थे और हम एक और अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे। हम अन्य मैचों में अच्छी लय और ऊर्जा के साथ उतरेंगे।'' गेरहार्ड ने पहले ही ओवर में तीन विकेट चटकाने वाले ट्रंपलमैन की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''रुबेन ने अपने लिए शीर्ष मानक स्थापित किए हैं, इससे पहले वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया था। लेकिन आज उसने ऐसा किया और उसने हमारे लिए अच्छी शुरुआत की।'' प्लेयर आफ द मैच ट्रंपलमैन ने उम्मीद जताई कि वे कुछ और मुकाबले जीतने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, ''अच्छा नतीजा और उम्मीद करते हैं कि हम कुछ और मुकाबले जीतेंगे। भाग्य से आज का दिन मेरे लिए अच्छा रहा। जीत टीम की है और यह हमारे लिए बहुत बड़ी है।''

रूबलेव, शापोवालोव सेंट पीटर्सबर्ग ओपन के क्वार्टर फाइनल में

सेंट पीटर्सबर्ग (एजेंसी)। स्थानीय खिलाड़ी और मौजूदा चौंपियन आंद्रे रूबलेव और दूसरी वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके सेंट पीटर्सबर्ग ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रूबलेव ने सभी सात ब्रेक प्वाइंट बचाकर बेलारूस के इलिया इवाश्का को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया जबकि कनाडाई खिलाड़ी शापोवालोव को पाब्लो एंडुजार पर 2-6, 6-3, 6-0 से जीत के लिये तीन सेट तक जूझना पड़ा। शापोवालोव क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के यान लेनार्ड स्ट्रफसे भिड़ेंगे जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त अलेक्सांद्र बुबलिक को 6-4, 6-3 से हराया। रूस के कारेन खाचानोव और क्रोएशिया के मारिन सिलिच ने भी बुधवार को जीत दर्ज की और दूसरे दौर में वे आमने सामने होंगे। खाचानोव ने फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो को 6-3, 6-3 से और सिलिच ने स्पेनिश खिलाड़ी अल्बर्ट रामोस-विनोलस को 6-2, 6-3 से पराजित किया।

आखिरी क्षणों में पेनल्टी गंवाने से यूएई से हारी भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। भारत आखिरी क्षणों में पेनल्टी गंवाने के कारण यहां फुजैरा स्टेडियम में मेजबान यूएई के खिलाफ अपने दूसरे एएफसी अंडर-23 चौंपियनशिप क्वालीफायर फुटबॉल मैच में 0-1 से हार गया। दोनों टीमें जब गोलरहित ड्रा की तरफबढ़ रही थी तब यूएई को 82वें मिनट में पेनल्टी मिली जिसे अब्दुल्ला इदरीस ने गोल में बदला। ग्रुप ई के बुधवार को खेले गये दोनों मैच के परिणाम एक जैसे रहे। ओमान ने भी आखिरी क्षणों की पेनल्टी के दम पर किर्गीज गणराज्य को हराया।

भारतीय कोच इगोर स्टिमक ने ओमान के खिलाफपिछले मैच में 2-1 से जीत दर्ज करने वाली टीम में केवल एक बदलाव किया तथा मध्य पंक्ति को मजबूत बनाने के लिये अनिकेत जाधव की जगह लालेंगमाविया को टीम में रखा। दोनों टीमों ने शुरू में रक्षात्मक रवैया अपनाया। भारत ने आधा घंटे का खेल होने से पहले लगातार हमले किये लेकिन यूएई की रक्षापंक्ति मजबूत थी। राहुल केपी ने आशीष के दायें छोर से मिले क्रास पर गोल कर दिया था लेकिन भारतीय अभी जश्न मनाते कि रेफरी फुमिंग ने रहीम अली को 'ऑफ साइड' करार दे दिया। यूएई ने दूसरे हॉफमें अधिक आक्रामक रवैया दिखाया। खेल के 49वें मिनट में मारवान फहद के पास गोल करने का मौका था लेकिन

धीरज ने अच्छा बचाव किया। इसके बाद भी यूएई ने भारतीय रक्षकों को दबाव में रखा। नियमित समय का खेल समाप्त होने से 10 मिनट पहले सुरेश ने अली सालेह को बॉक्स के अंदर गिरा दिया जिससे यूएई को पेनल्टी मिल गयी। इदरीस ने इस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। इस ग्रुप में सभी चार टीमों के अब तीन दृ तीन अंक हैं और गोल अंतर भी समान है।

मैनचेस्टर सिटी का शूटआउट में हार से लीग कप में चार साल की बादशाहत खत्म

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी की इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट में पिछले चार साल से चली आ रही बादशाहत बुधवार को यहां वेस्ट हैम से पेनल्टी शूटआउट में मिली हार के साथ

समाप्त हो गयी। वेस्ट हैम ने प्री क्वार्टर फाइनल का यह मैच 5-3 से जीता। दोनों टीमें निर्धारित समय में गोल करने में असफल रही थी जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। फिल फोडन ने सिटी की तरफ पहली पेनल्टी ली लेकिन उनका शॉट बाहर चला गया। टीम को यह महंगा पड़ा क्योंकि वेस्ट हैम ने अपनी सभी पेनल्टी को गोल में बदला। सिटी की लीग कप में पांच साल में यह पहली हार है। उसने 2017-18 से हर सत्र में इस टूर्नामेंट में खिताब जीता था।

इस बीच लिवरपूल, टोटैनहैम और लीस्टर सिटी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। चेल्सी और आर्सनल पहले ही अंतिम आठ में पहुंच चुके हैं। लिवरपूल ने ताकुमी मिनामिनो और डिवोक ओर्गी के दूसरे हॉफ में किये गये गोल की मदद से दूसरी डिवीजन की टीम प्रेस्टन को 2-0 से हराया। लीस्टर ने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से पराजित किया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थी। टोटैनहैम ने लुकास मोरा के गोल से बर्नली को 1-0 से हराया जबकि ब्रेंटफोर्ड ने इवान टोनी के शानदार खेल से स्टोक को 2-1 से पराजित किया।

करो या मरो के मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे वेस्टइंडीज और बांग्लादेश

शारजाह (एजेंसी)। लगातार दो हार से त्रस्त मौजूदा चौंपियन वेस्टइंडीज और बांग्लादेश टी20 विश्व कप के सुपर 12 के ग्रुप एक मैच में शुक्रवार को जब आमने सामने होंगे तो उनके लिये यह मैच करो या मरो जैसा होगा क्योंकि इसमें हारने वाली टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो जाएंगी। वेस्टइंडीज को जहां इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा वहीं बांग्लादेश को इंग्लैंड और श्रीलंका ने पराजित किया। ऐसे में सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रखने के लिये इन दोनों टीमों को अब जीत की दरकार है। वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी की अपनी कमजोरियों को दूर करने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ उसकी टीम केवल 55 रन पर ढेर हो गयी। उसके सभी बल्लेबाजों ने अपने विकेट इनाम में दिये। उन्होंने धीमी पिच पर एक दो रन चुराने के बजाय बड़े शॉट खेलने पर ध्यान दिया। दो बार के चौंपियन ने इसके बाद दूसरे मैच में अपना रवैया थोड़ा बदला और लेंडल सिमन्स को पारी संवारने का जिम्मा दिया लेकिन यह सलामी बल्लेबाज बेहद धीमा खेला तथा उन्होंने 35 गेंदों पर 16 रन बनाये जिससे टीम पर दबाव बढ़ा। इस कारण एविन लुईस जैसे अन्य बल्लेबाजों को जोखिम भरे शॉट खेलकर अपने विकेट गंवाने पड़े। वेस्टइंडीज ने 11वें से 20वें ओवर के बीच

64 रन के अंदर आठ विकेट गंवाये और बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहा। अगले मैच में सिमन्स की जगह रोस्टन चेज को लिया जा सकता है जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच में नाबाद 54 रन बनाये थे। वह उपयोगी गेंदबाज भी हैं और स्पिन विभाग में विकल्प मुहैया करा सकते हैं। जैसन होल्डर के टीम से जुड़ने से वेस्टइंडीज को मजबूती मिली है। होल्डर ने इंडियन प्रीमियर लीग में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। यूएई की परिस्थितियां हालांकि वेस्टइंडीज के 'बिग हिटर' के अनुकूल नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले सात मैच खेले हैं उनमें उसे जीत नहीं मिली। इनमें टूर्नामेंट से पहले के दोनों अभ्यास मैच भी शामिल हैं। दूसरी तरह बांग्लादेश इस तरह के विकेटों पर खेलने का आदी है लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराकर टूर्नामेंट में छठे रैंकिंग की टीम के रूप में प्रवेश करने वाली बांग्लादेश की टीम के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। अपने पिछले पांच मैचों में से वह केवल दो में जीत दर्ज कर पाया। मोहम्मद नईम, लिटन दास, शाकिब अल हसन, महमुदुल्लाह और मुशफिकुर रहीम के रूप में बांग्लादेश के पास प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं लेकिन वे सामूहिक योगदान देने में असफल रहे हैं।

ट्रंपलमैन और फ्राइलिंक चमके, नामीबिया ने स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराया

अबुधाबी (एजेंसी)। बायें हाथ के तेज गेंदबाजों रुबेन ट्रंपलमैन और जेन फ्राइलिंक की तूफानी गेंदबाजी से नामीबिया ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के ग्रुप दो मैच में बुधवार को यहां स्कॉटलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले ओवर में तीन विकेट चटकाने वाले ट्रंपलमैन (17 रन पर तीन विकेट) और फ्राइलिंक (10 रन देकर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने स्कॉटलैंड की टीम आठ विकेट पर 109 रन ही बना सकी। छठा मैच खेल रहे ट्रंपलमैन के करियर का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। स्कॉटलैंड की ओर से माइकल लीस्क 44 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा क्रिस ग्रीव्स (25) और सलामी बल्लेबाज मैथ्यू क्रॉस (19) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। नामीबिया ने इसके जवाब में जेजे स्मिट (23 गेंद में नाबाद 32, दो छक्के और दो चौके) और सलामी बल्लेबाज क्रेग विलियम्स (23) की पारियों की बदौलत पांच गेंद शेष रहते छह विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। नामीबिया को माइकल वान लिंगेन (18) और विलियम्स ने पहले विकेट के लिए 28 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। वान लिंगेन ने जोश डेवी पर लगातार दो चौके जड़े लेकिन साफ्यान शरीफ ने उन्हें रिची बेरिंगटन के हाथों कैच करा दिया। नामीबिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 29 रन बनाए। विलियम्स और जेम्स ग्रीन (09) ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। ग्रीन ने क्रिस ग्रीव्स पर चौका जड़ा जबकि विलियम्स ने मार्क वाट पर पारी का पहला छक्का मारकर नौवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। ग्रीव्स ने ग्रीन को मुन्से के हाथों कैच कराके नामीबिया को दूसरा झटका दिया। लीस्क (12 रन पर दो विकेट) ने इसके बाद कप्तान गेरहार्ड इरासमस (04) को बोल्ड किया जबकि वाट ने विलियम्स को स्टंप कराके नामीबिया का स्कोर चार विकेट पर 67 रन किया। स्मिट और डेविड वाइसी (16) ने इसके बाद मोर्चा संभाला। नामीबिया को अंतिम छह ओवर में जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी। स्मिट ने शरीफपर चौका

जड़ने के बाद ग्रीव्स की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। वाइसी ने भी लीस्ट पर छक्का जड़ा लेकिन इसी गेंदबाज का शिकार बन गए। नामीबिया को अंतिम दो ओवर में सात रन की दरकार थी। स्मिट ने ब्रेडली व्हील पर चौका और फिर एक रन के साथ स्कोर बराबर किया लेकिन अगली गेंद पर फ्राइलिंक (02) पवेलियन लौट गए। स्मिट ने अंतिम ओवर की पहली गेंद पर शरीफपर छक्का जड़कर टीम को जीत दिलाई। इससे पहले नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और प्लेयर आफ द मैच ट्रंपलमैन ने पहले ओवर में ही तीन विकेट चटकाकर इस फैसला को सही साबित किया। जॉर्ज मुन्से (00) ट्रंपलमैन की मैच की पहली ही गेंद को विकेटों पर खेल गए जबकि तीसरी गेंद पर कैलम मैकलियोड (00) ने विकेटकीपर जेन ग्रीन के हाथों कैच थमाया। ट्रंपलमैन ने अगली गेंद पर बेहतरीन फॉर्म में चल रहे और कार्यवाहक कप्तान रिची बेरिंगटन (00) को पगबाधा करके स्कॉटलैंड का स्कोर तीन विकेट पर दो रन किया। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह सिर्फ दूसरा मौका है जब किसी गेंदबाज ने पहले ओवर में ही तीन विकेट चटकाए हैं। इससे पहले जून 2019 में श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था। क्रॉस ने पांचवें ओवर में ट्रंपलमैन पर पारी का पहला चौका जड़ा लेकिन अनुभवी डेविड वाइसी (22 रन पर एक विकेट) ने अगले ओवर में क्रेग वालेस (04) को पगबाधा कर दिया। स्कॉटलैंड की टीम पावर प्ले में चार विकेट पर 22 रन ही बना सकी। लीस्क ने वाइसी पर दो चौकों के अलावा माइकल वान लिंगेन की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ 11वें ओवर में 14 रन जोड़े और टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। फ्राइलिंक ने अगले ओवर में क्रॉस को बोल्ड करके स्कॉटलैंड को पांचवां झटका दिया। क्रॉस ने 33 गेंद की पारी में एक चौका मारा। लीस्क ने जेजे स्मिट (20 रन पर एक विकेट) पर अपना दूसरा छक्का मारा जबकि ग्रीव्स ने बर्नार्ड शोल्ट्ज और ट्रंपलमैन पर चौके जड़े। स्मिट ने लीस्क को बोल्ड करके स्कॉटलैंड को बड़ा झटका दिया। उन्होंने 27 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और दो छक्के मारे। स्कॉटलैंड के रनों का शतक 19वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन इसी ओवर में फ्राइलिंक ने मार्क वाट (03) को आउट किया जबकि लीस्क अंतिम ओवर में रन आउट हुए। स्कॉटलैंड के नियमित कप्तान काइल कोएट्जर अंगुली में चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए जिसके बाद बेरिंगटन ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली।

शाहरुख खान की मैनेजर पूजा ददलानी का पुराना पोस्ट वायरल, जिसमें आर्यन के लिए कही थी ढेरों बात

शाहरुख खान का पूरा परिवार जो दर्द इस वक्त झेल रहा है, उसकी हिस्सेदार उनकी मैनेजर पूजा ददलानी भी हैं। पूजा ददलानी शाहरुख के साथ आर्यन खान के केस के दौरान मजबूती से खड़ी रही हैं और ऐक्टर की जगह अपनी भूमिका निभा रही हैं। चाहे आर्यन के अरेस्ट किए जाने के बाद एनसीबी दफ्तर पहुंचने की बात हो या कोर्ट में जाने की, पूजा ददलानी हर जगह शाहरुख की जगह नजर आई हैं। इसी बीच पूजा ददलानी का एक पुराना पोस्ट सोशल मीडिया पर छाया है, जिसमें उन्होंने आर्यन की तारीफ में कुछ शब्द कहे हैं।

दरअसल यह पोस्ट पूजा ने साल 2019 में आर्यन खान के लिए किया था। इस तस्वीर में आर्यन के साथ पूजा ददलानी भी नजर आ रही हैं। पूजा ने आर्यन को बर्थडे विश करते हुए लिखा था, 'इनके पास अपने पापा जितनी प्रतिभा है, मां जैसा चार्म है और इनका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है। सेंसिटिव लड़का है, जिसका दिल एकदम सही जगह है। सबसे बड़े लाड़ले आर्यन खान को जन्मदिन की ढेर सारी बधाई।' बता दें कि साल 2012 से पूजा ददलानी शाहरुख खान की मैनेजर हैं, जो अब उनके परिवार का हिस्सा बन चुकी हैं। शाहरुख के सभी प्रफेशनल काम को पूजा ही हैंडल करती हैं। शाहरुख के पूरे परिवार से पूजा की बॉन्डिंग उनके सोशल मीडिया पोस्ट बयां करते हैं। पूजा ने वक्त-वक्त पर शाहरुख के सभी सदस्यों के लिए इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। कभी सुहाना के लिए कभी अबराम और कभी शाहरुख-गौरी के लिए भी पूजा ने पोस्ट में कई बार ढेरों बातें कही हैं। **(एजेंसी)**

निरहुआ-आम्रपाली की फिल्म 'हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी' का फर्स्ट लुक लांच

भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे की जोड़ी वाली फिल्म 'हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी' का फर्स्ट लुक लांच कर दिया गया है। यशी फिल्म्स के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म 'हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी' का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है।

इस फिल्म में दिनेश लाल यादव निरहुआ, आम्रपाली दुबे, समीर आफताब और मधु शर्मा की जोड़ी साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन असलम शेख ने किया है। फिल्म के फर्स्ट लुक में लंदन के नजारा देखने को मिल रहा है, जिसमें चारों सितारे डांस करते दिख रहे हैं।वही दूसरे पोस्टर में फिल्म के ट्रेलर रिलीज तारीख की चर्चा की गई हैं। निर्माता अभय सिन्हा ने कहा कि हमने फिल्म का फर्स्ट लुक लांच किया है, जिसे लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। फिल्म में निरहुआ और समीर आफताब ने बेहतरीन काम किया है। स्वर्गीय निर्देशक असलम शेख ने इस फिल्म को अपना एक अलग विजन दिया है। हम चाहेंगे कि भोजपुरिया दर्शक इस फिल्म को देखें और असलम शेख की आखिरी फिल्म को सराहे। **(एजेंसी)**

बाला कृष्णा के अनस्टॉपेबल विद एनबीके के प्रोमो ने किया प्रशंसकों को निराश

मशहूर तेलुगु स्टार नंदमुरी बाला कृष्णा अहा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रहे हैं। हालांकि, आगामी सेलिब्रिटी टॉक शो अनस्टॉपेबल विद एनबीके का प्रोमो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रहा है। अभिनेता शो के होस्ट है। शो का प्रोमो बुधवार को जारी किया गया। प्रोमो में सिम्हा अभिनेता लंबे संवादों का उच्चारण करते हुए दिखाई दे रहे है। हाल ही में जारी किया गया प्रोमो इस्तेमाल किए गए प्रॉप्स का बेमेल है, क्योंकि यह अपेक्षित आउटपुट बनाने में विफल हो गया है।

बाला कृष्ण पूरी तरह से फिट नजर आते हैं, जबकि वे इसे आकर्षक बनाने के लिए एक घोड़े, एक स्पोर्ट्स बाइक और एक पॉश कार का उपयोग करते हैं। संवाद भी अपील करने में विफल रहते हैं, क्योंकि बाला कृष्ण की फिल्मों में पहले से ही उनका एक समूह है। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का सुझाव है कि अनस्टॉपेबल के निमार्ता बेहतर विचारों के साथ आ सकते थे, ताकि टॉक शो बेहतर हो सके। शो में नए विचारों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। प्रोमो से पता चलता है कि सेलिब्रिटी टॉक शो जल्द ही अहा पर प्रसारित किया जाएगा। शो के पहले मेहमान मंचू मोहन बाबू हो सकते है। आने वाले एपिसोड के लिए शो में और अधिक लोकप्रिय फिल्मी हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है। **(एजेंसी)**

अली के साथ पहली बार शूटिंग करना सौभाग्य की बातः ऋचा चड्ढा

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा आगामी सीरीज कॉल माई एजेंटः बॉलीवुड में अपने प्रेमी अली फजल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। वह इसे सौभाग्य की बात कहती हैं क्योंकि उन्होंने पहली बार अभिनेता के साथ शूटिंग की है। शाद अली द्वारा निर्देशित, कॉल माई एजेंटः बॉलीवुड, एक फ्रांसीसी शो का भारतीय रूपांतरण है,

जिसमें अहाना कुमरा, आयुष मेहरा, रजत कपूर के साथ-साथ कई बॉलीवुड हस्तियां जैसे- फराह खान, अली, ऋचा, लारा दत्ता, दीया मिर्जा, जैकी श्रॉफ शामिल हैं। यह सीरीज 29 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। ऋचा ने कहा, पहली बार अली के साथ शूटिंग करना वास्तव में एक सौभाग्य था। मुझे फ्रेंच शो पसंद है। कॉल माई एजेंटः बॉलीवुड फ्रेंच मल्टी-सीजन शो, डिक्स पौर सेंट (टेन पर सेंट) से प्रेरित है। यह शो ग्लिट्ज, ग्लैमर और ड्रामा की दुनिया में प्रफुल्लित करने वाली झलक पेश करता है। ऋचा ने कहा, निर्देशक विचारों के लिए इतने खुले थे, उन्होंने हमें सुधार करने और हास्य पंक्तियों के साथ आने की अनुमति दी।

20 सालों बाद फिर एक साथ आए ड्रयू बैरीमोर, टॉम ग्रीन

अभिनेत्री ड्रयू बैरीमोर और टॉम ग्रीन इस सप्ताह डे टाइम टॉक शो में एक साथ नजर आएंगे। ऐसा लगभग 20 वर्षों में पहली बार हो रहा है कि दोनों किसी शो में एक साथ एंट्री कर रहे है। द ड्रयू बैरीमोर शो पर आने को लेकर उन्होंने कहा कि यह थोड़ा सा अजीब है। पर यह देखकर बहुत अच्छा लगेगा। मुझे वास्तव में लगता है कि यह फिर से मिलने का एक अच्छा मौका है टॉम की बात पर बैरीमोर ने जबाव देते हुए कहा कि ठीक है, मैं आपका सम्मान करती हूं और आपसे प्यार करती हूं। जिस पर ग्रीन ने जवाब दिया कि मैं भी तुमसे प्यार करता हूं। मेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेत्री को विश्वास नहीं हो रहा था कि उन्हें टॉम से मिले दो दशक हो गए हैं। **(एजेंसी)**

डायरेक्टर की गालियों से कास्टिंग काउच तक...

ईशा गुप्ता ने सुनाए चौंकाने वाले किस्से

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अपनी बोल्डनेस को लेकर आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। वो अपने बेबाक अंदाज के लिए भी पहचानी जाती हैं। हाल ही में ईशा ने नेपोटिज्म और कास्टिंग काउच पर खुलकर बात की है। ईशा ने बताया कि किस तरह उन्होंने दो बार कास्टिंग काउच की भयावह घटनाओं का सामना किया है। उनका कहना है कि सिर्फ उनक लोगों को ये सब झेलना पड़ता है, जो इंडस्ट्री से नहीं हैं। बॉलीवुड के स्टारकिड्स के साथ कास्टिंग काउच जैसी घटनाएं नहीं होती हैं। ईशा गुप्ता बीते दिनों अपने बोल्ड फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में रही थीं। वहीं, हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए अपने इंटरव्यू में कास्टिंग काउच पर बात करते हुए कहा- हां दो लोग थे... जिसमें से एक की फिल्म में मैं काम कर रही थी। मैं भी बहुत स्मार्ट थी क्योंकि मैं अकेली नहीं सोती थी। मैं हमेशा अपनी मेकअप आर्टिस्ट को रूम में सोने के लिए कहती थी। लेकिन परेशानी ये है कि वो सिर्फ हमारे साथ ही ऐसा करते हैं, वो इंडस्ट्री के किड्स के साथ ऐसा नहीं करते क्योंकि उनके पेरेंट्स आकर तुम्हें मार डालेंगे। दूसरी घटना के बारे में बताते हुए ईशा ने कहा- एक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी तभी एक को-प्रोड्यूसर ने मेकर्स से आकर कहा कि मैं इस एक्ट्रेस को फिल्म में नहीं चाहता हीं। मेकर ने कहा कि ये हमारी हीरोइन है। मेकर्स ने मुझे आकर बताया कि इस शख्स मे ये कहा है। तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ लोग मुझे इसलिए काम नहीं देते क्योंकि उन्हें पता है कि ये तो कुछ करने वाली नहीं है। ईशा ने इसी इंटरव्यू में एक और वाकये के बारे में बताया है। जिसमें उन्हें एक डायरेक्टर की गालियां सुननी पड़ी थीं। ईशा ने बताया कि उनकी ड्रेस में कुछ समस्या हो गई थी, उन्होंने मुझे हिंदी में कुछ अपशब्द कहे और मैं उनकी तरफ गई तो उन्होंने मुझे कहा कि आप लेट हैं। मैंने उन्हें समझाया कि मेरी गलती नहीं है, ड्रेस में कुछ प्रॉब्लम हो गई थी लेकिन उन्होंने मुझे फिर से गाली दी। ईशा ने इस डायरेक्टर को करारा जवाब दिया और वहां से निकल गईं। इसके बाद डायरेक्टर को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने ईशा से 2 दिन बाद माफी भी मांगी।

पंकज त्रिपाठी ने लोगों से बिहार पंचायत चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने को कहा

पंकज त्रिपाठी इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक हैं। अपने बेहतरीन अभिनय के अलावा, वह अपनी सादगी और सादगी भरे जीवन जीने के लिए भी जाने जाते हैं। अपनी जड़ों से जुड़े अभिनेता ने अब अपने गृह राज्य बिहार के लोगों से आगामी पंचायत चुनावों में बढ़-चढ़कर मतदान करने को कहा है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, पंकज ने कहा कि पंचायत चुनाव बुनियादी लोकतंत्र का एक महान उदाहरण है और सभी को अपनी बेहतरी के लिए आगामी चुनावों में मतदान करना चाहिए। अभिनेता एक किसान के बेटे है, और बिहार के गोपालगंज जिले के एक गांव बेलसंड के रहने वाले है। पंकज ने ग्रामीण जीवन और समस्याओं को करीब से देखा है। उनका मानना है कि चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही जमीनी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

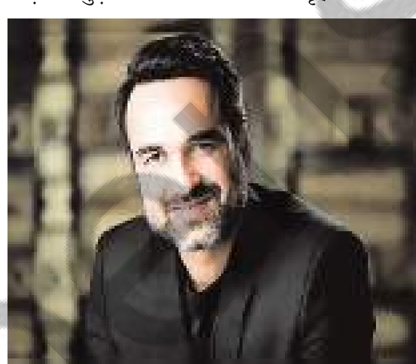

इसलिए, जब राज्य चुनाव आयोग, बिहार के अधिकारियों ने पंकज से संपर्क किया, तो वह तुरंत एक ग्रामीण के जीवन में पंचायत चुनावों के महत्व के बारे में संदेश फैलाने के लिए राजी हो गए। वह समझते हैं कि देश की प्रगति के लिए शासन के हर स्तर को जड़ों से मजबूत करने की जरूरत है।

पंकज ने आगे कहा कि पंचायत चुनावों की सुंदरता इस तथ्य में निहित है कि प्रतियोगी गांव से ही हैं, इसलिए ग्रामीणों के लिए अपने उम्मीदवारों को अच्छी तरह से जानना आसान हो जाता है। चुनाव आयोग ने बायोमेट्रिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों की भी शुरूआत की है। अधिकारियों को विश्वास है कि चुनाव में पंकज की लोकप्रियता का बहुत फायदा मिलेगा। **(एजेंसी)**

आंसुओं में गुजरा मां गौरी खान का जन्मदिन, शाह रुख को 5 दिन पहले मिला बर्थडे का सबसे बड़ा तोहफा

2 नवम्बर को शाह रुख खान का जन्मदिन मनाया जाता है। इस साल किंग खान अपना 56वां जन्मदिन मनाने वाले हैं, मगर जन्मदिन का तोहफा शाह रुख को पांच दिन पहले ही मिल गया है। क्रूज ड्रग्स केस में पिछले 20 दिनों से जेल में बंद उनके बेटे आर्यन खान को आज (28 अक्टूबर) बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिल गयी है। निश्चित रूप से शाह रुख खान के परिवार और फैंस के लिए यह जश्न की बात है। डर इस बात का था कि अगर इस हफ्ते आर्यन को जमानत नहीं मिलती तो 2 नवम्बर को शाह रुख खान का जन्म दिन और 4 नवम्बर को दिवाली का त्योहार बेमजा हो जाता है। शाह रुख खान के लिए यह जन्मदिन सम्भवतः यह सबसे कीमती तोहफा होगा। वहीं, आर्यन अब दिवाली का त्योहार अपने परिवार के साथ अपने घर मन्नत में मना सकेंगे। पिता के जन्मदिन पर तो आर्यन मन्नत में होंगे, मगर 8 अक्टूबर को मां गौरी का जन्मदिन आंसुओं में ही बीता, क्योंकि एक दिन पहले आर्यन की जमानत अदालत ने खारिज की थी और 8 अक्टूबर को उन्हें मुंबई की आर्थर रोड जेल में भेजा गया था। आर्यन के केस की बात करें तो नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मुंबई से गोवा जा रहे एक लग्जरी क्रूज शिप पर मारे गये छापे में आर्यन समेत आठ लोगों को पकड़ा था। पूछताछ के बाद 3 अक्टूबर को सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। ना सिर्फ बॉलीवुड बल्कि पूरे देश के लिए यह एक बड़ी खबर थी। एनसीबी ने सभी को उसी दिन कोर्ट में पेश किया था और कोर्ट ने एक दिन की कस्टडी दी। 4 अक्टूबर को एनसीबी के अनुरोध पर आर्यन की हिरासत 3 दिन और बढ़ा दी गयी थी। सात अक्टूबर को एक बार एनसीबी ने कस्टडी बढ़ाने का अनुरोध अदालत से किया, जिसे ठुकराते हुए कोर्ट ने आर्यन समेत सभी आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अगले दिन यानी 8 अक्टूबर को आर्यन को एनसीबी दफ्तर से आर्थर रोड जेल शिफ्ट कर दिया गया। इस बीच आर्यन की जमानत याचिकाएं मजिस्ट्रेट कोर्ट और सेशंस कोर्ट ने खारिज कर दीं और उन्हें 30 अक्टूबर का न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद आर्यन के वकीलों सतीश मानशिंदे और अमित देसाई ने हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी, जहां 26 अक्टूबर को सुनवाई शुरू हुई और पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल देसाई ने आर्यन को हाई कोर्ट में रिप्रेजेंट किया था। **(एजेंसी)**

कन्नड फिल्म निर्माता के बेटे, पत्नी ने दायर की अग्रिम जमानत याचिका

कन्नड़ फिल्म निर्माता सौंदर्य जगदीश के बेटे और अभिनेता स्नेहित, उनकी पत्नी रेखा और अन्य ने घरेलू सहायिका के साथ मारपीट और कपड़े उतारने के मामले में मंगलवार को यहां की एक स्थानीय अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। 34 वर्षीय घरेलू सहायिका ने स्नेहित, रेखा सहित आठ आरोपियों के खिलाफमहालक्ष्मी लेआउट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने उसके साथ बदतमीजी की और उसके कपड़े उतार दिए। घटना शनिवार शाम की है, जब पीड़िता अपने मालिक के घर के सामने सफाई कर रही थी। शिकायत के अनुसार, जब पीड़िता ने स्नेहित और उसके दोस्तों को थोड़ा आगे बढ़ने को कहा, क्योंकि वह झाड़ू लगा रही थी, तो आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। पुलिस के अनुसार, बाद में वे बाउंसरों के साथ पहुंचे और महिला पर कथित तौर पर हमला किया और उसके कपड़े उतारने की कोशिश की। सौंदर्य जगदीश ने कहा है कि झगड़ा घरेलू सहायिका के बीच था और उनके परिवार ने उन्हें शांत करने के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता दो साल से छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ रही है। हालांकि, मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया है, क्योंकि बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त कमल पंत ने मामले में पुलिस की निष्क्रियता पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, क्योंकि आईपीसी 354 (किसी भी महिला पर हमला या आपराधिक बल, अपमान करने का इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपितों को पूछताछ के लिए हाजिर होने का नोटिस जारी किया है।

पुलिस ने सौंदर्य जगदीश के आवास का दौरा किया और निर्माता के स्वामित्व वाले एक पब के परिसर की भी तलाशी ली। मामले में आगे की जांच जारी है। सौंदर्य जगदीश ने अप्पू एंड पप्पू, मस्त माजा माड़ी, स्नेहितरु और रामलीला को प्रोड्यूस किया है। उनके बेटे स्नेहित ने अप्पू एंड पप्पू में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। **(एजेंसी)**

काजल अग्रवाल की उमा का फर्स्ट लुक जारी

काजल अग्रवाल अभिनीत आगामी फिल्म उमा का पोस्टर मंगलवार को जारी किया गया। पोस्टर के बारे में बात करते हुए, निर्देशक तथागत सिंघा ने कहा, फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन चालू है। पोस्टर में फिल्म का लुक और फील है। यह जीवन का एक टुकड़ा है, अच्छा पारिवारिक मनोरंजन है और जिस तरह से फिल्म आकार ले रही है, उससे हम वास्तव में खुश हैं।

फिल्म उमा में टीनू आनंद, हर्ष छाया, मेघना मलिक, गौरव शर्मा, श्रीश्वर, अयोशी तालुकदार और कियान शर्मा भी हैं, जिसकी शूटिंग कोलकाता में शुरू से अंत तक के शेड्यूल में की गई थी। फिल्म की कहानी एक पारिवारिक ड्रामा है, जो एक घर में शादी की पृष्ठभूमि के साथ सेट की गई है, जहां पूरा परिवार इकट्ठा होता है। नाटक एक अजनबी उमा के आने के साथ घर में बहुआयामी पात्रों के माध्यम से सामने आता है। अविषेक घोष और मंत्रराज पालीवाल द्वारा निर्मित, निर्माताओं ने अभी तक फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं की है।